दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 326 | ग्वालियर, मंगलवार 05 जनवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

महाराष्ट्र में एफबी लाइव कर युवक कर रहा था सुसाइड, आयरलैंड के अधिकारियों ने ऐसे रोका

मुंबई । महाराष्ट्र के धुले का एक युवक फेसबुक पर लाइव आकर खुदकुशी करने का प्रयास कर रहा था। युवक के इस कृत्य को सोशल मीडिया कंपनी के आयरलैंड के अधिकारियों ने देख लिया और तुरंत महाराष्ट्र पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद स्थानीय पुलिस के हस्तक्षेप से युवक की जान बचा ली गई। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि 23 वर्षीय युवक धुले पुलिस से संबद्ध होम गार्ड का बेटा है। उसने रविवार शाम को अपनी कलाई काट ली और उसने इस कृत्य को फेसबुक पर लाइव कर दिया। उन्होंने बताया कि रविवार रात आठ बजकर 10 मिनट आयरलैंड से फेसबुक के अधिकारियों का फोन कॉल मुंबई की पुलिस उपायुक्त (साइबर) रश्मि करनदिकर को आया। इसके बाद 25 मिनट में ही उनकी टीम ने युवक का पता लगा लिया। अधिकारी ने बताया कि युवक धुले की भोई सोसाइटी से कृत्य को फेसबुक पर लाइव कर रहा था। इसके बाद स्थानीय पुलिस को सूचना देने के साथ-साथ नासिक रेंज के पुलिस महानिरीक्षक प्रताप दिघावकर और धुले के पुलिस अधीक्षक चिनमय पंडित को भी जानकारी दी गई। स्थानीय पुलिस रात नौ बजे युवक के घर पहुंच गई। पंडित ने पीटीआई-भाषा से कहा कि युवक को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और उसे सोमवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उसकी काउसलिंग की जाएगी। पंडित ने बताया, डीसीपी करनदिकर ने युवक के बारे में सभी तकनीकी विवरण उपलब्ध कराए और हमने तत्काल कार्रवाई की तथा उसकी जिंदगी बचा ली।

पिछले साल प्रतिकूल मौसम ने ली 1565 से अधिक लोगों की जान, 815 तो केवल आंधी व बिजली गिरने से मरे

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को कहा कि पिछले साल अत्यंत प्रतिकूल मौसम के कारण 1565 से अधिक लोगों की मौत हो गयी। इस दौरान आंधी व बिजली गिरने जैसी घटनाओं में 815 लोगों की मृत्यु हो गई। आईएमडी की एक रिपोर्ट के अनुसार बिहार में बाढ़, आंधी, बिजली गिरने और शीतलहर के कारण सबसे ज्यादा 379 लोगों की मौत हुयी वहीं उत्तर प्रदेश में यह संख्या 356 रही। विभाग ने कहा कि ये आंकड़े मीडिया रिपोर्टों पर आधारित हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ से संबंधित घटनाओं में 600 से अधिक लोगों की मौत हो गई। असम में 129, केरल में 72, तेलंगाना में 61, बिहार में 54, महाराष्ट्र में 50, उत्तर प्रदेश में 48 और हिमाचल प्रदेश में 38 लोगों की मौत हुई। आईएमडी की रिपोर्ट के अनुसार आंधी और बिजली गिरने से 815 लोगों की मौत हुयी। बिहार में 280, उत्तर प्रदेश में 220, झारखंड में 122, मध्य प्रदेश में 72, महाराष्ट्र में 23 और आंध्र प्रदेश में 20 लोगों की मौत हुई। आईएमडी ने कहा कि शीत लहर के कारण 150 मौतें हुईं। उत्तर प्रदेश में 88, बिहार में 45 और झारखंड में 16 लोगों की मौत हुई। बिहार में मौतें एक जनवरी को एक ही दिन हुई थीं। वहीं, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को कहा कि 1901 के बाद से 2020 आठवां सबसे अधिक गर्म वर्ष रहा लेकिन 2016 की सबसे अधिक गर्मी की तुलना में यह काफी कम रहा। विभाग ने 2020 के दौरान भारत की जलवायु संबंधी एक बयान में कहा कि वर्ष के दौरान देश में औसत वार्षिक तापमान सामान्य से 0.29 डिग्री सेल्सियस अधिक था। यह आंकड़ा 1981-2010 के आंकड़ों पर आधारित है।

भारत में लोगों के अंदर आ गई हर्ड इम्युनिटी? कोरोना के कम होते हुए मामले कर रहे इसी ओर इशारा

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की निश्चित संख्या का शायद कभी पता नहीं चल सके, लेकिन वैज्ञानिक समुदाय इस बात से सहमत हैं कि बीमारी के मामलों की संख्या कम होना एक वास्तविकता है और संभवत- इसके लिए हर्ड इम्युनिटी यानी सामूहिक रोग प्रतिरोधक क्षमता और युवा आबादी को श्रेय दिया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने भारत में कोविड-19 के मामलों की संख्या में उतार-चढ़ाव को समझने का प्रयास किया। सोमवार को कोविड-19 के 16,504 नये मामले सामने आये जो 16 सितम्बर को सामने आए 97,894 मामलों की तुलना में छह गुना कम हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हालांकि उम्मीद की एक किरण है और भारत में कोविड-19 के मामलों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है और टीकाकरण कार्यक्रम महत्वपूर्ण है। अशोका यूनिवर्सिटी के त्रिवेदी स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज के निदेशक शाहिद जमील ने भारत के कोविड ग्राफ को देखते हुए कहा, %%यह निश्चित संख्या नहीं है, बल्कि उतार-चढ़ाव महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान सही संख्या का पता होना असंभव और अव्यावहारिक लगता है या जब तक सभी की जांच नहीं की होती है इसे

बता पाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि देश में कोविड-19 के मामले सितंबर के मध्य में चरम पर पहुंचने के बाद से लगातार कम हो रहे हैं। राष्ट्रीय रुख के मुताबिक दिल्ली में कोविड-19 के मामलों का ग्राफ भी सोमवार को नीचे आया और 384 नए मामले दर्ज किए गए जो सात महीनों में सबसे कम हैं और इससे उम्मीद जगी है कि हर्ड इम्युनिटी स्थापित हो सकती है।

जानिए क्या है हर्ड इम्युनिटी का मतलब-हर्ड इम्युनिटी होने का मतलब है कि लोगों के एक बड़े हिस्से में किसी वायरस से लड़ने की ताकत को पैदा करना। जमील ने %पीटीआई-भाषा% से कहा, %%सितंबर के मध्य से जांच या व्यवहार में कुछ भी नहीं बदला है। मामले कम हो रहे हैं। नई दिल्ली के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (एनआईआई) के रोग प्रतिरक्षा विज्ञानी (इम्यूनोलॉजिस्ट) सत्यजीत रथ ने कहा कि हालांकि वास्तविक संख्याओं को अच्छी तरह से आंका जा सकता है, और मामलों की संख्या कम होने की प्रवृत्ति वास्तविक प्रतीत होती है और संक्रमण के प्रसार की दर कम होने की संभावना है।भारत युवा आबादी के चलते रहा सुरक्षित वॉशिंगटन में सेंटर फॉर डिसीज डायनेमिक्स, इकनोमिक्स एंड पॉलिसी के संस्थापक और निदेशक लक्ष्मीनारायण ने कहा, %%भारत युवा आबादी के कारण अधिक सुरक्षित रहा जहां देश का 65 प्रतिशत हिस्सा 35 वर्ष से कम आयु का है और इन आयु वर्गों में संक्रमण की संभावना कम है।%% लक्ष्मीनारायण ने हालांकि चेताते हुए कहा कि निश्चित रूप से अधिकांश राज्यों में संक्रमण की संख्या में स्वाभाविक रूप से गिरावट देखी जा सकती है लेकिन ऐसा पहले भी कई अन्य देशों में देखा गया है जहां मामलों में वृद्धि हुई है। रथ ने लक्ष्मीनारायणन से सहमति जताते हुए कहा कि वायरस का प्रसार एक समान %लहर के रूप में नहीं है, बल्कि बहुत से परिवर्तनशील स्थानीय कारणों से होता है। एक टीके पर चर्चा करते हुए, लक्ष्मीनारायण ने कहा कि सभी को एक खुराक मिलनी चाहिए, भले ही लोगों में कोविड-19 का संक्रमण हुआ हो या नहीं।

सातवें दौर की बैठक में भी नहीं बनी बात

किसानों ने फाड़ा सरकार का संशोधन 8 जनवरी को फिर बातचीत

नई दिल्ली । कृषि कानूनों के खिलाफ एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे गतिरोध को दूर करने के लिए किसान संगठनों और तीन केंद्रीय मंत्रियों के बीच सातवें दौर की बातचीत भी सोमवार को बेनतीजा साबित हुई। सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि कृषि कानूनों को वापस नहीं लिया जा सकता है। हालांकि, किसान कानूनों को रद्द किए जाने की मांग पर कायम हैं। अब अगली बैठक 8 जनवरी को होगी। बैठक खत्म होने के बाद भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों ने सरकार का दिया संशोधन फाड़ दिया। आज की बातचीत में किसी भी मुद्दे पर सहमति नहीं बन सकी है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, पीयूष गोयल और सोम प्रकाश ने विभिन्न किसान संगठनों के 41 नेताओं के साथ बातचीत की। दोपहर में शुरू हुई बैठक के खत्म होने के बाद किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा, %%हमारी मांगों पर बातचीत हुई। कानून वापसी नहीं, तो घर वापसी नहीं। कोई तनातनी नहीं है। हमने साफ कर दिया है कानून वापसी के बिना कुछ भी मंजूर नहीं है। 8 जनवरी को फिर से बात होगी। हमने सरकार का संशोधन फाड़ दिया।

काफी दबाव में सरकार-सातवें दौर की बातचीत के बाद किसान नेता ने दावा किया कि सरकार काफी दबाव में है। ऑल इंडिया किसान सभा के महासचिव हन्नान मोल्लाह ने बताया, सरकार दबाव में है। हम सभी ने कहा

कि हमारी कृषि कानूनों को रद्द किए जाने की मांग है। हम किसी अन्य विषय पर चर्चा नहीं करना चाहते हैं। जब तक कानून वापस नहीं लिए जाते, तब तक आंदोलन वापस नहीं होगा।%%

बैठक में नहीं हुई एमएसपी समेत अन्य मुद्दों पर बात दोनों पक्षों ने एक घंटे की बातचीत के बाद भोजनावकाश लिया । सरकार इन कानूनों को निरस्त नहीं करने के रुख पर कायम है और समझा जाता है कि उसने इस विषय को विचार के लिए समिति को सौंपने का सुझाव दिया है। दोनों पक्षों के बीच एक घंटे की बातचीत में अनाज की खरीद से जुड़ी न्यूनतम समर्थन मूल्य की प्रणाली को कानून मान्यता देने के किसानों की महत्वपूर्ण मांग पर चर्चा नहीं हुई है। किसान संगठन के प्रतिनिधि अपने लिए खुद भोजन लेकर आए थे जो लंगर के रूप में था। हालांकि, 30 दिसंबर की तरह आज केंद्रीय नेता लंगर के भोजन में शामिल नहीं हुए और भोजनावकाश के दौरान अलग से चर्चा करते रहे।

दिल्ली की सीमाओं पर जारी है प्रदर्शन- पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में किसान कृषि संबंधी तीन कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर पिछले एक महीने से अधिक समय से दिल्ली की सीमा पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आसपास प्रदर्शन स्थल पर भारी बारिश और जलजमाव एवं जबर्दस्त ठंड के बावजूद किसान डटे हुए हैं।

कैसे खत्म होगा गतिरोध? सरकार की किसानों को दो टूक- नहीं रद्द होगा कृषि कानून

नई दिल्ली। किसान संगठनों के नेताओं के साथ सोमवार को हो रही सातवें दौर की बातचीत के दौरान सरकार ने दो टूक कहा है कि तीनों नए कृषि कानूनों को रद्द नहीं किया जा सकता। सरकार की ओर से केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, पीयूष गोयल और सोम प्रकाश किसान संगठनों के 41 नेताओं के साथ दिल्ली के विज्ञान भवन में दोपहर से बैठक कर रहे हैं। इससे पहले, पिछले साल हुई बैठक में किसानों और सरकार के बीच दो मुद्दों पर सहमति बनी थी। किसान नेताओं के साथ बातचीत में केंद्रीय मंत्रियों ने कहा कि कानून के जिस भी खंड से दिक्कत है, उसमें संशोधन करने के लिए सरकार तैयार है।

दीपांकर के बाद येचुरी ने भी कहा

बंगाल में लेफ्ट फ्रंट का पूरा जोर बीजेपी का वोट काटने पर होगा

कोलकाता। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी और सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस पर विधानसभा चुनाव में वोटों के ध्रुवीकरण का आरोप लगाया। इसके साथ-साथ सीताराम येचुरी ने साफ कर दिया है कि बंगाल चुनाव में वाम-कांग्रेस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य सत्ता विरोधी वोटों को बीजेपी की ओर जाने से रोकना होगा।

मार्च 2019 के बाद सीताराम येचुरी पहली बार एक बैठक में हिस्सा लेने के लिए कोलकाता पहुंचे हुए थे। दो दिवसीय बैठक के सोमवार दोपहर खत्म होने के बाद येचुरी ने कहा कि सीट बंटवारे पर कांग्रेस के साथ कुछ शुरुआती चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी और टीएमसी की ओर से बंगाल की राजनीति में ध्रुवीकरण हुआ है। उन्होंने कहा कि दोनों ही पार्टियों पर ध्रुवीकरण सूट करता है। किसान आंदोलन पर बात करते हुए येचुरी ने कहा कि केंद्र की नीतियों के खिलाफ असंतोष का महौल बंगाल में भी है।

गाजियाबाद हादसा: ठेकेदार अजय त्यागी पर 25 हजार का इनाम, पांच टीमें तलाश में जुटी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मुरादनगर श्मशान हादसे के मुख्य आरोपी ठेकेदार अजय त्यागी के खिलाफ एसएसपी कलानिधि नैथानी ने सोमवार की शाम 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया। आरोपी की तलाश में पांच टीमें लगा दी गई हैं। इनमें एक टीम मुरादनगर कोतवाल अमित कुमार के नेतृत्व में रविवार से ही काम कर रही थी। चार स्पेशल टीमों को और लगा दिया गया है। इसमें एसएसपी की क्राइम टीम, एसपी सिटी और एसपीआरए के क्राइम टीम के अलावा सर्विलांस टीम शामिल है। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि आरोपी रविवार को घटना के बाद से ही फरार है। उसकी तलाश में हर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। चूंकि अब तक उसका सुराग नहीं मिला है, इसलिए आरोपी के खिलाफ 25 हजार का इनाम घोषित करते हुए तीन क्राइम की और एक सर्विलांस की टीम को भी आरोपी के पीछे लगा दिया गया है। उम्मीद है कि बहुत जल्द आरोपी सलाखों के पीछे होगा। रविवार की सुबह मुरादनगर के बंबा रोड स्थित श्मशान में बना नवनिर्मित बरामदा पहली बरसात में ही धराशायी हो गया था। हादसे के वक्त बरामदे में करीब 60 लोग मौजूद थे। इस हादसे में अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब इतने ही लोग घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मृतक जयराम के बेटे दीपक की तहरीर पर नगर पालिका मुरादनगर की ईओ निहारिका सिंह, जेई चंद्रपाल, सुपरवाइजर आशीष और ठेकेदार अजय त्यागी के खिलाफ रविवार की रात में ही नामजद मुकदमा दर्ज किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसी समय ईओ, जेई और सुपरवाइजर को हिरासत में लेकर पूछताछ भी शुरू कर दी और सोमवार की सुबह करीब चार बजे इन्हें विधिवत गिरफ्तार कर लिया।

किसान आंदोलन पर एमपी के कृषि मंत्री ने कहा

सोने का नाटक कर रहे व्यक्ति को कैसे जगाया जा सकता है

इंदौर। कड़ाके की ठंड और बारिश के बावजूद दिल्ली की सरहदों पर हजारों किसानों का आंदोलन जारी रहने को लेकर मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल ने सोमवार को कहा कि सोने का नाटक कर रहे व्यक्ति को कैसे जगाया जा सकता है। पटेल से पूछा गया था कि आखिर क्या वजह है कि कड़ाके की ठंड और बारिश के बावजूद दिल्ली की सरहदों पर हजारों किसान अपनी मांगों पर अडिग हैं और केंद्र सरकार के साथ उनकी कई दौर की बातचीत के बावजूद नये कृषि कानूनों को लेकर उनका विरोध प्रदर्शन जारी है? राज्य के कृषि मंत्री ने इस सवाल पर यहां संवाददाताओं से कहा, वे (आंदोलनकारी) हमारी बात इसलिए नहीं मान रहे हैं क्योंकि हम सोए हुए व्यक्ति को तो जगा सकते हैं। लेकिन जो व्यक्ति सोने का नाटक करे, उसे कैसे जगा सकते हैं? वरिष्ठ भाजपा नेता ने दावा किया कि नये कृषि कानूनों पर देश के ज्यादातर किसान नरेंद्र मोदी सरकार का समर्थन कर रहे हैं। पटेल ने जोर देकर कहा कि नए कृषि कानूनों से किसानों को बिचौलियों के मकड़जाल से मुक्ति मिलेगी और फसलों के बेहतर मूल्य मिलने से उनकी आय बढ़ेगी।

कांग्रेस ने किसानों को किया गुमराह-उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, किसानों को यह झूठ बोलकर गुमराह किया जा रहा है कि नये कृषि कानूनों के जरिये कृषि क्षेत्र को उद्योगपतियों के हवाले कर दिया गया है।

ताजमहल में जय श्रीराम के नारे लगा फहराया भगवा

हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष समेत 4 पर मुकदमा दर्ज

> इसके चलते हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता ताजमहल में शिव चालीसा और भगवा ध्वज लेकर प्रवेश कर गए। उन्होंने स्मारक में शिव चालीसा का पाठ किया और उसके बाद उद्यान में पाथवे पर लगी बेंच के पास खड़े होकर भगवा ध्वज लहराया। भगवा ध्वज लहराते युवकों को सीआईएसएफ जवानों ने पकड़ने के बाद पूछताछ कर छोड़ दिया था। उस समय भी झंडा फहराने वाले की पहचान गौरव ठाकुर के रूप में हुई थी। गौरव ठाकुर ने बाद में बताया कि यह शिव मंदिर तेजोमहालय है। इसलिए उन्होंने वहां शिव चालीसा का पाठ कर भगवा ध्वज लहराया। कहा था कि कई नेता वर्षों से इसे शिव मंदिर कह रहे हैं। बड़ा कष्ट होता है कि इसकी निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई है। इसकी जांच कराना जरूरी है। इससे पहले भी ताजमहल में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भगवा ध्वज लहराया है।

आगरा। ताजमहल परिसर में सोमवार को हिन्दू युवा वाहिनी के पदाधिकारियों ने भगवा ध्वज फहराकर जय श्रीराम के नारे लगाए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से हड़कंप मच गया। नियमों की धज्जियां उड़ाने पर वाहिनी के चार पदाधिकारियों को सीआईएसएफ के जवानों ने दबोच लिया। थाना ताजगंज पुलिस के सुपुर्द कर दिया। धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, उन्माद भड़काने के आरोप में चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। ताजमहल में कभी आरती तो कभी गंगाजल छिड़कने की घटनाएं हो चुकी हैं। अब सोमवार को हिन्दू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष गौरव ठाकुर ने अपने साथियों के साथ ताजमहल में भगवा ध्वज फहरा दिया। ये लोग अपनी जेबों में ध्वज रखकर ले गए थे। इसके बाद रेड सैंड स्टोन प्लेटफार्म से नीचे रखी लाल पत्थर की सीट पर आराम से बैठ गए। इनमें कुछ लोग मास्क लगाए

थे तो कुछ बिना मास्क के थे। अपनी जेबों से भगवा ध्वज निकालकर फहराने लगे। हर-हर महादेव और जय श्रीराम के नारे लगाए। कुछ ही देर बाद ताजमहल में भगवा ध्वज फहराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। जैसे ही चारों पदाधिकारी वहां से हटे तो सीआईएसएफ के जवानों ने उन्हें पकड़ लिया। उनकी आईडी चेक की गई। उसके बाद उन्हें थाना ताजगंज पुलिस को सुपुर्द कर दिया। मामले में सीआईएसएफ की तहरीर पर थाना ताजगंज में हिन्दू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष गौरव ठाकुर, सोनू बघेल, विशेष कुमार, रिषी लवानियां के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पहले भी सुरक्षा व्यवस्था को चकमा दे चुका है गौरव ठाकुर-ताजमहल में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था को पहले भी चकमा देकर भगवा फहराया गया है। आज पकड़े गए गौरव ठाकुर ने पिछले साल दशहरा पर ताजमहल में भगवा ध्वज लहराने के साथ शिव चालीसा का पाठ किया गया था। इसके वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने पर खलबली मची थी। झंडा लहराते समय सीआईएसएफ जवानों ने उसे पकड़ा भी था, लेकिन बाद में पूछताछ कर छोड़ दिया था। ताजमहल की सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा सीआईएसएफ संभालती है। कोरोना काल में पर्यटकों की स्पर्श मुक्त सुरक्षा जांच की जा रही है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

संपर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोनः 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर....

अयोध्या धाम से पधारे परम पूज्य संत गोविंद दास महंत रामस्वरूप जी महाराज भगवान दास जी महाराज सेवादास जी महाराज घनश्याम दास जी महाराज रामदास जी महाराज समस्त संतों का संकुआ सेवड़ा आगमन पर संत सम्मान संत भोज कर सभी महात्माओं आशीर्वाद लिया एवं श्यामू ठाकुर ने कहा की संत सम्मान हमें आगे बढ़ने एवं सही रास्ते पर चलने की ऊर्जा प्रदान करता है और आने वाली पीढ़ी को संस्कार ऊर्जावान बनाना है तो सदैव सत सम्मान करना है और अच्छे संस्कार ही अच्छे समाज का निर्माण करते हैं सदैव हम संत सम्मान करें संतों का सम्मान अवश्य करें यह विचार राम मो राम की बगिया पर समाजसेवी श्यामू ठाकुर ने कहे सम्मान भोज मैं शामिल उपस्थित जन श्री श्री 1008 नंदकिशोर शरण महाराज पर्वत गुर्जर श्रीवास्तव वकील साहब अध्यक्ष विश्वकर्मा समाज राम कुमार विश्वकर्मा राम सिंह बाथम हरि शरण राहुल चंदेल योगेश सिंह कमल शर्मा सनी विश्वकर्मा राहुल चौरसिया मातादीन जाटव आदि जन उपस्थित रहे आयोजन समाज सेवा टीम की ओर से किया गया

निशुल्क आयुष मेडिकल चेकअप एवं दवाई वितरण कैंप का आयोजन

संतोष सिंह भदौरिया रिपोर्टर चंबल संभाग

ग्वालियर / श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राजावत के निर्देशानुसार एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों के द्वारा निशुल्क आयुष मेडिकल चेकअप एवं दवाई वितरण कैंप का आयोजन किया गया जिसमें डॉक्टर दीपक तोमर हेल्थ ऑफिसर सेक्टर पनिहार डॉ सीमा तोमर मेडिकल ऑफिसर ग्वालियर डॉ दिलीप कुलश्रेष्ठ बीएएमएस हॉस्पिटल गुजरात इन सभी डॉक्टर की टीम के एवं सभी राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी एवं सदस्य द्वारा कॉलोनी चार शहर का नाका रोड ग्वालियर में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया यह कार्य केवल समाज से इतना ही यह हिंदू धर्म से जुड़े हुए सभी लोगों के लिए विशेष रूप से कार्य किया गया और समय-समय पर हम इस प्रकार के आयोजन करवाते रहते हैं पुरुषों के साथ-साथ श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा की महिला पदाधिकारियों द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया गया यह जानकारी श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा के प्रवक्ता वेद प्रकाश राजावत द्वारा दी गई ।

प्रगतिशील सिरवी संगठन की महाराष्ट्र इकाई की पहली मीटिंग आयोजित की गई

नेनाराम सिरवी रानी पाली। सिरवी इंडिया परिवार के कार्यकर्ता प्रवासी राज्य महाराष्ट्र में प्रगतिशील सिरवी संगठन की पहली इकाई मीटिंग आयोजित की गई।महाराष्ट्र के पुणे के बीबेवाडी वडेर में आयोजित की गई मीटिंग के दौरान देश भर में ऊर्जावान राष्ट्रवादी सिरवी युवाओं को जोड़ने और संगठन

का विस्तार करने का संकल्प लिया गया।रानी प्रधान चुनाव में सीरवी बंधु दूदाराम के साथ हुए अन्याय और जान से मारने की धमकी पर चिंता व्यक्त की गई। सिरवी संगठन की ओर से दूदाराम का सहयोग और समर्थन देने का निर्णय भी लिया गया। इस मौके पर प्रगति शील सिरवी संगठन के कई कार्यकर्ता पदाधिकारी बैठक के दौरान उपस्थित रहे। जिसमें सुरेश पी चौधरी चेनाराम आसाराम सिरवी पूनाराम चौधरी चेनाराम भवर लाल विनोद पुखराज सोहनलाल जगदीस मोहनलाल सहित प्रगतिशील सीरवी संगठन के संपूर्ण कार्यकर्ताओं द्वारा सीरवी समाज के बंधु दूदाराम की मदद एवं दूदाराम के सहयोग देने की चर्चा की गई।

सफाई कर्मियों को कंबल बांटकर राज्यसभा सांसद डांगी का मनाया गया जन्मदिन

डांगी के जन्मदिन पर रानी में कांग्रेस जनों ने बांटे कंबल

नेनाराम सिरवी रानी पाली। राजस्थान के पाली जिले के रानी उपखंड क्षेत्र में राज्यसभा सांसद नीरज डांगी के 51 वें जन्मदिन के अवसर पर रानी नगर पालिका परिसर में सफाई का कोराना वारियर्स सम्मान समारोह का आयोजन वरिष्ठ समाजसेवी हुकम सिंह आंकड़ा वास। कॉन्ग्रेस रानी नगर अध्यक्ष इलियास चढवा। जमील मकरानी ने सर्दी से बचाव के लिए कंबल वितरित किए। एवं सफाई कर्मियों को मिठाई खिलाकर राज्यसभा सांसद नीरज डांगी का जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी हुकम सिंह आंकड़ा वास ने संविदा पर लगे सफाई कर्मियों को नियमित करने के लिए यूडीएच मंत्री से मिलकर चर्चा करने की बात कही। इस मौके पर समाजसेवी हुकम सिंह अकड़ आवास परसराम मेहरा जोगेंद्र सिंह मनोहर सिंह एडवोकेट दिनेश आदिवाल। केसाराम सुरेश आदिवाल रोशन लाल समेत नगरपालिका के कई कर्मचारी उपस्थित रहे।

आज व्यापारियों के साथ भाजपा मनाएगी काला दिवस

दुकानों पर जाकर की बाजार बंद कराने की अपील

दबोह(अर्पित गुप्ता)

कोई दर्द देता है तो कोई मरहम ऐसा ही कुछ दबोह नगर में इन दिनों देखने को मिल रहा है क्यों कि बीते वर्ष 05 जनवरी 2020 को जिस तरह कॉंग्रेस के शासन काल मे एक रणनीति के चलते हरे भरे दबोह नगर को खण्डहर में तब्दील किया गया था जिसके बाद आज एक वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा जनता के जख्मो पर मरहम लगाने में जुटी है।यहां बताना मुनासिब होगा कि विगत 01 वर्ष पूर्व कमलनाथ सरकार के द्वारा अतिक्रमण के नाम पर बिना नोटिस दिए दबोह नगर के व्यापारियों के मकान व दुकानो को बुरी तरह से धराशाही किया गया था जिससे जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया था।जिसको लेकर दबोह के व्यापारियों में काफी रोष देखने को मिल रहा था।जिसके चलते 01 वर्ष बीतने के बाद नगर के व्यापारियों द्वारा 5 जनवरी को काला दिवस के

रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया गया।जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक रसाल सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया।जिसमें नगर के व्यापारियों ने 05 जनवरी को कमलनाथ सरकार का पुतला दहन कर नगर में रैली निकालकर स्थानीय झंडा चौक पर आम सभा का आयोजन किया जा रहा है।जिसमें लहार विधानसभा के सभी मंडलों से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता कार्यक्रम में सम्मिलित होने जा रहे हैं साथ ही नगर में विशाल आम सभा का आयोजन किया जाएगा।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भिंड दतिया सांसद संध्या राय,जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी नाथू सिंह गुर्जर,पूर्व विधायक रसाल सिंह,पूर्व विधायक मथुरा महंत,रामकुमार महाते ,उमाशंकर चौधरी सहित वरिष्ठ नेतागण लहार विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी गण व आमजन शामिल होंगे।बैठक रेस्ट हाउस पर आयोजित हुई जिसमें काला दिवस आयोजन की तैयारियों पर बिचार विमर्श किया गया।बैठक में पूर्व बिधायक रसाल सिंह, रामकुमार महाते, जितेंद भास्कर,उमाशंकर चौधरी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष कप्तान सिंह कौरव, मण्डल अध्यक्ष देवेन्द उपाध्यय,परमाल गुर्जर, राव सहाव गुर्जर, रविंद खटीक, राजा यादव, जसमन्त दोहरे, लालता कुशवाह, रामलखन कुरचनियां, सुभाष यादव सहित बरिष्ठ व युवा सेकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समाजसेवियों ने सर्दी में वृद्ध जनों को वितरित किए कंबल

गोहद। समाजसेवियों ने तहसील प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में भीषण सर्दी में वृद्ध जनों को असहाय लोगों को कंबल वितरित कर पुनीत कार्य किया इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रिपुदमन सिंह तोमर ने कहा कि भूखे को भोजन और इस भीषण सर्दी में कपड़े का दान महादान होता है नगर के समाजसेवियों द्वारा यह महा दान पुण्य कार्य किया गया है यह समाज में लोगों को करते रहना चाहिए इस अवसर पर सागर भैया के संरक्षण में समाजसेवी नाथूराम सिंघल शैलेंद्र सोनी कालीचरण शुक्ला बंटी खान प्रवीण गुप्ता एडवोकेट एडवोकेट अवध बिहारी पाराशर अनूप श्रीवास्तव इंदर सिंह गुर्जर राजेंद्र परिहार स्कूल संचालक पवन गुप्ता भारत सिंह गुर्जर जीतेंद्र आदि उपस्थित रहे।

सत्यापन अभियान में निरस्त पंजीयन वाले निर्माण श्रमिकों को दो स्तर पर मिलेगा अपील का मौका

भिण्ड। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत सत्यापन अभियान में निरस्त पंजीयन वाले कर्मकार को अब दो स्तर पर अपील का मौका मिलेगा। श्रम विभाग द्वारा शनिवार को इस आशय के आदेश जारी किए गए है। वर्ष 2014 से ग्रामीण क्षेत्र में निर्माण श्रमिकों को पंजीयन के लिये जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और शहरी क्षेत्रों में नगर निगम आयुक्त/ मुख्य नगरपालिक अधिकारी को अधिकृत किया गया था। पंजीयन के लिए आवेदन पत्र की प्राप्ति पर संबंधित अधिकारी समुचित जाँच बाद और आवेदन पत्र की वास्तविकता का समाधान होने के बाद पंजीयन स्वीकृत या अस्वीकृत करने की कार्यवाही करते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों के निर्माण श्रमिकों के पंजीयन अस्वीकृत करने के मामले में जारी आदेश के विरुद्ध अपील का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में जनपद पंचायत के सीईओ द्वारा आदेश जारी के विरुद्ध प्रथम अपील अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को और द्वितीय अपील जिले के कलेक्टर को की जा सकेगी। इसी तरह शहरी क्षेत्र में नगर निगम आयुक्त द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध प्रथम अपील कलेक्टर और द्वितीय अपील संभाग के आयुक्त को की जा सकेगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध प्रथम अपील अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ओर द्वितीय अपील जिले के कलेक्टर को कर सकेंगे। म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अन्तर्गत पंजीकृत ऐसे हिताधिकारी जिनका पंजीयन सत्यापन के दौरान अपर्याप्त कारणों से निरस्त दिया गया वे अपनी पात्रता के सभी साक्ष्यों सहित पदाभिहित अधिकारी के समक्ष अपनी अपील आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे ओर पदाभिहित अधिकारी उस पर विचार कर और अन्य ऐसी जाँच कर जो वह आवश्यक समझे, करने के बाद अपने स्पष्ट अभिमत सहित प्रतिवेदन निराकरण के लिए अपीलीय प्राधिकारी को प्रेषित करेगा। अपीलीय प्राधिकारी प्रतिवेदन प्राप्त होने पर पदाभिहित अधिकारी के जाँच प्रतिवेदन अथवा ऐसे और जाँच के बाद जैसे वह आवश्यक समझे/पूर्ण संतुष्ट होने पर समुचित आदेश जारी करेगा। जिससे वह अपील स्वीकार/अस्वीकार कर सकेगा। अपीलीय प्राधिकारी द्वारा किए गए अपील के विनिश्चय के बाद पंजीयन के लिए अधिकृत अधिकारी द्वारा अपने श्रम सेवा पोर्टल लॉगिन पर उपलब्ध कराई गई यूटिलिटी में अपील के विनिश्चय की जानकारी आदेश प्रति सहित अपलोड की जाएगी। इसके आधार पर अपील स्वीकार होने की स्थिति में संबंधित अपीलार्थी का पुराना पंजीयन पुनर्जीवित हो जाएगा। अपीलीय आदेश में पात्र पाए गए निर्माण श्रमिक जिसका पंजीयन पुनर्जीवित हुआ हो, सत्यापन बाद उसे जिस अवधि में अपात्र रहा था उस अवधि में मंडल द्वारा संचालित किसी भी योजना के लिए पात्र नहीं होगा।

प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को 325 करोड़ रूपये से अधिक की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरित

भिण्ड। प्रदेश में पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा इस वर्ष अब तक पिछड़ा वर्ग के 2 लाख 49 हजार विद्यार्थियों को 325 करोड़ 23 लाख रूपये की छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है। विभाग द्वारा इस वर्ष पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति में 419 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति कक्षा 11वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर तथा तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को राज्य शासन द्वारा निर्धारित दरों पर प्रदान की जा रही है। विभाग ने कक्षा 11वीं एवं कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की स्वीकृति एवं वितरण का दायित्व स्कूल शिक्षा विभाग को सौंपा है।

मेघावी विद्यार्थी छात्रवृत्ति-प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग द्वारा मेघावी विद्यार्थी छात्रवृत्ति दी जा रही है। योजना में प्रत्येक जिले से 4 विद्यार्थियों जिनमें दो छात्र एवं दो छात्राओं को पुरस्कृत किये जाने का प्रावधान है।

शराफत हुसैन उर्फ काले को मिली प्रगतशील समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी

एक के माथुर

एटा। प्रगतिशील समाजवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष सुंदर लाल लोधी ने जिले के तेजतर्रार युवा नेता शराफत हुसैन उर्फ काले को पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए पार्टी का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। विगत माह राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव ने शराफत हुसैन को पार्टी ज्वॉइन कराई थी और अब बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए पार्टी की चाबी शराफत हुसैन उर्फ काले के हाथों में सौंप दी है। शराफत हुसैन उर्फ काले काफी लंबे समय से जिले की राजनीति में सक्रिय रहे हैं और बड़े मुस्लिम नेता के रूप में उनकी पहचान है पूर्व में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में उनकी धर्मपत्नी एटा नगर पालिकाध्यक्ष का चुनाव लड़ चुकी हैं और तब समाजवादी पार्टी पर पक्षपात का आरोप लगाने के बाद वह पार्टी से अलग हो गए थे। लेकिन प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने उनपर भरोसा जताते हुए बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है इससे कहीं ना कहीं आगामी चुनावों में समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लग सकता है क्योंकि शराफत हुसैन उर्फ काले उस वोट बैंक में अपनी अच्छी खासी पकड़ रखते हैं जोकि सपा का भरोसेमंद वोट माना जाता रहा है फिलहाल प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के पास जनपद की राजनीति में कुछ भी खोने को नहीं है लेकिन शराफत हुसैन उर्फ काले के प्रसपा में जाने के साथ ही जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने से समाजवादी पार्टी बहुत कुछ खो सकती है जिसका परिणाम आगामी चुनावों में देखने को मिलेगा।

अपेक्स कॉलेज में बिजली के शार्ट सर्किट से लगी आग जला रिकॉर्ड

मोहन मांझी

गोहद एनएच 92 थाना गोहद चौराहा अंतर्गत आने वाले अपेक्स स्कूल ऑफ नरसिंग विद्यालय एवं अपेक्स महाविद्यालय के स्टोर कक्ष में आज सुबह 10-15 बजे के लग भग धुआं उठता दिखाई दिया तो स्टाफ ने जाकर देखा तो वर्ष 2011 से अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का एवं वर्तमान रिकॉर्ड जलकर नष्ट हो चुका था बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग विद्यालय में रखा संपूर्ण रिकार्ड जलकर राख हो गया महाविद्यालय प्रबंधन ने चौराहा थाना अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया है कि अचानक शॉर्ट सर्किट होने के कारण लगी आग में महाविद्यालय का संपूर्ण रिकॉर्ड जलकर नष्ट हो चुका है।

अम्बाह। अर्धसैनिक बल केंटीन संचालक- श्री दिनेश सिंह तोमर, एक्स सी,आर, पी,एफ ।को पुष्पांजली टुडे सप्रेम भेंट करते हुए, पत्रकार भीमसेन सिंह तोमर थरा अम्बाह।

डाक्टर एल एस राठौर, राठौर क्लीनिक अम्बाह

एक नजर....

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को राष्ट्रीय सचिव सुधांशु त्रिपाठी ने संबोधित किया

भिण्ड/जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा भिण्ड जिला में भरौली तिराहा तक्षशिला गार्डन में कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम हुआ जिसमें मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव सुधांशु त्रिपाठी ने संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि होता है नगर निगम,नगर पालिका व नगर परिषद के चुनाव आ रहे हैं जिसमें जिताओ प्रत्याशी को ही पार्टी उम्मीदवार बनाया जाएगा जिसके लिए जिला चयन समिति बनाई गई है उसके अनुशंसा के आधार पर टिकट दिए जाएंगे । कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांग्रेस जिला अध्यक्ष जय श्रीराम बघेल, पूर्व विधायक हेमंत कटारे, प्रदेश उपाध्यक्ष रामकिशोर भारद्वाज, प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर शर्मा कल्लू,पूर्व लोकसभा प्रत्याशी देवाशीष जरारिया रामहरि शर्मा,भगवती शर्मा, भगवान दास सेथिया, अनिल भारद्वाज, पंकज त्रिपाठी, निशचल शर्मा बॉबी, बलराम जाटव आदि पदाधिकारियों और जिला के पर्यवेक्षक और नगर पालिका अध्यक्ष एवं पार्षद पद के दावेदार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में तीन घायल

मऊरानीपुर (झाँसी) विभिन्न सडक दुर्घटनाओं में तीन व्यक्ति घायल हो गये। प्राप्त विवरण में मातादीन (32) पुत्र गंगाराम निवासी करौरा अलीपुरा, मलीदा (30) पत्नी गंगाराम निवासी करौरा अलीपुरा , सियाराम (50) पुत्र मनप्यारे निवासी तिलैरा

को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया

व्यक्ति ने किया जहर का सेवन

मऊरानीपुर (झाँसी) अज्ञात कारणों के चलते व्यक्ति ने जहर का सेवन कर लिया। प्राप्त विवरण में अरुण (20) पुत्र कल्लू निवासी बडागाँव को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया । हालत में सुधार न होने पर झाँसी रिफर कर दिया गया।

बिच्छु ने व्यक्ति को दंश मारा मऊरानीपुर

(झाँसी) बिच्छु ने व्यक्ति को दंश मारा। प्राप्त विवरण में हीरालाल (35) पुत्र रामपाल निवासी अक्सेव को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया ।

अलीगंज में चला मिशन शक्ति और एंटी रोमियो अभियान

एटा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सुनील कुमार सिंह के निर्देशन में अलीगंज पुलिस / एंटी रोमियों टीम द्वारा मिशन शक्ति / एंटी रोमियों अभियान के तहत महिलाओं व छात्राओं की सुरक्षा के लिए कस्बे के अलग-अलग स्थानों पर चैकिंग की गई। कस्बा अलीगंज के सभी स्कूलों के पास एवं विभिन्न स्थानों पर अलीगंज पुलिस ने चेकिंग की साथ ही साथ मिशन शक्ति अभियान के तहत बालिकाओं को जागरूक किया गया। स्कूल / कॉलेजो / चौराहे पर बेफजूल खड़े नई उम्र के लड़को को सख्त हिदायत दी गई।

सम्पूर्ण समाधान दिवस 05 जनवरी को, डीएम, एसएसपी जलेसर तहसील में सुनेंगे जनसमस्याएं

एटा। जनता की समस्याओं, शिकायतों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारण करने के उद्देश्य से जिले की तीनों तहसीलों में 05 जनवरी को प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। डीएम सुखलाल भारती, एसएसपी सुनील कुमार सिंह जलेसर तहसील में, एडीएम प्रशासन विवेक कुमार मिश्र तहसील अलीगंज में, एडीएम वित्त एवं राजस्व केशव कुमार एटा सदर तहसील में उपस्थित रहकर जनता की समस्याओं को निस्तारित करेंगे। समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण तहसील जलेसर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में मौजूद रहेंगे। संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कोविड-19 की गाईडलाइन के अनुसार किया जाएगा।

नवनियुक्त भाजपा मण्डल मंत्री पुष्पा जाटव ने दिया इस्तीफा, कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

अनिल पाराशर

भिंड- भाजपा की गोरमी मण्डल मंत्री पद पर नवनियुक्त पुष्पा-महेश्वरी जाटव ने अपने पद से त्याग पत्र दे दिया। साथ ही कांग्रेस जिलाध्यक्ष जयश्रीराम बघेल के समक्ष कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की ह। विगत दिनों 22 दिसम्बर को उनके पति जो भाजपा जिला महामंत्री महेश्वरी जाटव ने गोरमी में आयोजित कांग्रेस की बैठक में भाजपा से त्याग पत्र देकर कांग्रेस का दामन थामा था7 श्री महेश्वरी गोरमी के लोकप्रिय युवा दलित नेताओं में गिने जाते है। नगरीय निकाय चुनाव के पूर्व भाजपा को बड़ा झटका लगा है।

इटावा सपा जिलाध्यक्ष का किसानों के साथ संवाद जारी

इटावा। सपा जिला अध्यक्ष गोपाल यादव का किसानों से गांव-गांव संवाद जारी इसी कड़ी में भरथना क्षेत्र के ग्राम बैशोली घाट में किसान चौपाल लगाकर किसानों को कृषि बिल के बारे में जागरूक किया उन्होंने कहा लगभग 1 महीने से किसान धरने पर हैं और कल इतनी भारी बारिश में तीन किसानो ने अपनी जान गवां दी सरकार अभी भी किसानों की बात सुनने को तैयार नही है । इस देश मे लोकतंत्र खत्म कर दिया सरकार ने सरकार के लोग किसानों को गुमराह करने में लगे हैं कि इस विल से किसान फायदे में रहेगा ।

इस बिल के माध्यम से अंबानी और अडानी जैसे लोगों की प्राइवेट मंडियां बन जाएंगी और सरकारी मंडियां और आढ़तिया खत्म हो जाएंगे।जिससे बाजार पर गिने चुने 2-3 लोगों का एकाधिकार हो जायेगा,जिससे वो लोग किसान की फसल अपनी मर्जी की कीमत पर खरीदेंगे और बेचेंगे भी अपनी मुहमांगी कीमत पर और कॉन्ट्रेक्ट फार्मिंग के जरिये किसानों को लूटा जाएगा किसानों से कंपनियों का लिखित सहमती होगी कंपनी किसान की फसल का रेट तय करेगी ।जब फसल तैयार होकर बेचने की बारी आएगी तब कम्पनी उसमे कमी निकालेगी ये पतला हैं काला ,गीला हैं अब आपकी फसल के रेट दूसरे लगाए जायेगे । जब किसान कहेगा कि तय तो कुछ और किया गया था अब कम क्यो किसान तीसरे को भी नही बेच सकता और इस विल में न्यायालय जाने का कोई प्रावधान नही हैं उपजिलाधिकारी ,या जिलाधिकारी से शिकायत कर सकते है सुनवाई की कोई गारंटी नही है क्यो की अडानी और अम्बानी के मैनेजरों की सुनवाई होगी वो

अधिकारियों को मैनेज करेगे। इसमे बाद में किसान अपनी जमीन बेचने पर मजबूर होगा। फर्क इतना है छोटा किसान पहले बड़ा किसान एक दो साल बाद किसान अपनी ही जमीन में बंधुआ मजदूर बन जायेगा । न्यूनतम समर्थन मूल्य इस विल में देने की कोई गारंटी नही है इससे किसानों को नुकसान होना तय है यही किसानों की और समाजवादी पार्टी की मांग हैं कि किसानों की फसल की न्यूनतम समर्थन मूल्य तय कर दे सरकार फिर चाहे कंपनी खरीदे या सरकार खरीदे कम में कोई व्यापारी फसल नही खरीदेगा इस पर एक कानून बनाया जाए । इस बात पर सरकार मानने पर तैयार नही है क्यो की इसमे किसानों का फायदा और अडानी अम्बानी को नुकसान होगा । आवश्यक वस्तओं पर भण्डारण की छूट दे दी है इससे महगाई बढ़ेगी पहले आप खाद्य सामग्री का भंडारण नही कर सकते थे अगर कोई भी व्यापारी करता था उस पर काला बजारी की कार्यवाही की जाती थी इस विल में सरकार ने छूट दे दी अब व्यापारी भण्डारण कर सकता है अडानी और अम्बानी की गोदाम पहले से ही बनी तैयार हैं ये फसलों का भण्डारण करके फिर अपने मन माने तरीके से रेट तय करेंगे इससे महगाई बढ़ना सुनिश्चित हैं । उन्होंने कहा ये किसानों की आय दोगुनी करने के लिए आये थे महगाई दोगुनी कर दी जब किसानों की फसल बेचने का समय आ जाता है उसी समय फसलें सस्ती बिकने लगती हैं किसानों पर महंगाई इतनी सरकार ने डाल दी यूरिया खाद में 5 किलो कम कर दी उसके बाद दाम बढ़ा दिए ,कीटनाशक दबा, डीजल ,पेट्रोल,घरेलू गैस बिजली ,सभी दाम बढ़ा दिए । फिलहाल में घरेलू गैस के दाम सीधे 100 रुपये बढ़ा दिए जो भी सब्सिडी मिलती थी उसे भी खत्म कर दी। उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी किसानों के साथ खड़ी है और उनके लिए आगे भी संघर्ष करती रहेगी समाजवादी पार्टी के संरक्षक नेताजी ने हमेसा से किसानों व्यापारियों ,नोजवानों की आवाज उठाते आये हैं । चौपाल में किसानों ने कहा कि इस सरकार की महगाई से परेशान हो चुके है किसानों ने संकल्प लिया कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए समाजवादी पार्टी सरकार बनाने का काम करेंगे।

समाजवादी पार्टी की ग्राम चुरारा में लगी किसान चौपाल, सुनी समस्यायें

मऊरानीपुर (झाँसी) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आव्हान पर मऊरानीपुर विधानसभा के ग्राम चुरारा में किसान चौपाल का आयोजन किया गया । चौपाल के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पप्पू सेठ ने किसानों की समस्याओं को सुना इस दौरान पप्पू सेठ ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार किसान विरोधी सरकार है इसे किसानों की समस्याओं से कोई भी सरोकार नही है आज किसानों को अपनी बात मनवाने के लिये महीनों से धरना देना पड रहा है। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के नेताओं, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के कानों में जूँ भी नही पड रही है। उन्होनें कहा कि किसानों ने इसके पहले भी समाजवादी पार्टी की सरकार देखी है। अखिलेश यादव द्वारा किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य साथ ही फसल के नुकसान पर कई बार मुआवजा दिया गया। इसके अलावा पूर्व विधायक डॉ. रश्मि आर्य भी किसानों के हर सुख दुख में किसानो के साथ खडी दिखी। आज भी डॉ. रश्मि आर्य द्वारा कराये गये विकास कार्य किसी से छुपे नही है। रश्मि आर्य के कार्यकाल में मऊरानीपुर विधानसभा का कोई भी गाँव विकास से अछूता नही रहा और आज वर्तमान समय में विकास कार्य पूरी तरह से बंद पडे हुये है। चौपाल में मुख्य रुप से पूर्व एमएलसी श्याम सुन्दर सिंह यादव, जिलाध्यक्ष महेश कश्यप, के. के. यादव, राकेश पहलवान, राजू पायक, रामाधार सिंह यादव, भगवत साहू, डॉ. उमेश खरे, चाँद राईन, रमाकन्त पटेल, मनीष यादव, महेन्द्र पाल सिंह, सन्तोष सेठ, संतोष आर्य, गुलाब यादव, कर्णवीर सिंह , सुम्मेर कुशवाहा, श्यामू सिंह, मनमोहन रैकवार, काशीराम आर्य, अरुण मिश्रा, दयाराम मिश्रा, सुभाष पटैरिया, कालीचरण अहिरवार, देवेन्द्र अहिरवार, सहित भारी संख्या में किसान चौपाल में लोग मौजूद रहे।

स्वामी तेजानंद महाराज ने चैन्नई मे आईजी संतोष कुमार का शॉल ओढ़ाकर किया संम्मानित

नारायणलाल सैणचा सैणचा

चेन्नई। संगठन के माननीय प्रदेशाध्यक्ष महोदय स्वामी तेजानंदज महाराज ने आज संतोषकुमार आईजी .चेन्नई से उनके कार्यालय में जाकर मुलाकात की। साथ ही नव वर्ष की शुभकामनाएं और हाल ही में डी आई जी पद से आई जी पद पर पदोन्नत होने की बधाई दी। इस अवसर पर परम आदरणीय स्वामी ने आई जी साहब को शॉल ओढाकर सम्मानित किया आदरणीय संतोषकुमार ने स्वामी को व्यापारियों की सहायता का आश्वासन दिया इस कार्यक्रम में आपश्री के साथ संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष भबूतराम कुलकधाणिया और संगठन के सेलम प्रभारी घीसुलाल चोयल उपस्थित रहे। तमिलनाडु पौन ब्रोकर्स एवं ज्वैलर्स एसोशिएसन।

पॉजिटिव 02 मरीजों के घर क्षेत्र में कंटेन्टमेंट एरिया घोषित

श्योपुर। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव ने मप्र पब्लिक हेल्थ एक्ट 1949 की धारा 71 (1) एवं 71 (2) में निहित शक्तियो का प्रयोग करते हुए श्योपुर के 02 मरीजों के घर क्षेत्र में कंटेन्टमेंट एरिया घोषित कर दिये है। प्रभारी अपर कलेक्टर/एसडीएम श्री रूपेश उपाध्याय द्वारा जारी आदेश के अनुसार कांटेन्टमेंट एरिया के अंतर्गत श्योपुर के मरीज माया बाथम पुत्री श्री शंकर बाथम निवासी वार्ड 14 के घर क्षेत्र में ऐपीसेंटर के पश्चिम में गिरांज के मकान से सीताराम के मकान तक एवं पूर्व में राजेश के मकान से जमुना के मकान तक एवं मरीज श्री बल्लू खां पुत्र श्री घोष मोहम्मद निवासी इस्लमपुरा के घर क्षेत्र में ऐपीसेंटर के पश्चिम में नजर भाई के मकान से शाह के मकान तक एवं पूर्व में बल्लू के मकान से डब्बू भाई के मकान तक कंटेन्मेंट एरिया घोषित किया गया है। इन 02 मरीजो के घर क्षेत्र के लिए इंसीडेन्ट कमाण्डर प्रभारी तहसीलदार श्योपुर श्री राघवेन्द्र कुशवाह मो.न. 9981778322 एवं राजस्व अधिकारी के रूप में राजस्व निरीक्षक वृत श्योपुर श्री टीएस लकडा मो.न. 9993624436 एवं पुलिस अधिकारी नगर निरीक्षक पुलिस कोतवाली श्योपुर श्री रामेश डाण्डे मो.न. 6260912609 तथा सीएमओ नगर पालिका श्योपुर सुश्री मिनी अग्रवाल मो.न. 9893972950 को जिम्मेदारी दी गई है।

श्री सीरवी समाज बढेर पुलियांतोप में आई माताजी का रात्रि जागरण का आयोजन किया गया

नारायणलाल सैणचा

चेन्नई। सीरवी समाज पुलियांतोप स्थित श्री आई माता बढेर में सत्संग संध्या का आयोजन क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं द्वारा रखा गया।बढेर में आई माताजी की सेवा करने वाले पुजारीजी द्वारा आई पुराण का वाचन किया जाना तथा साल 2020 की कड़वी यादें भूलाकर आने वाले नववर्ष में सब मंगल ही मंगल हो इस नववर्ष में माताजी का विशेष आशीर्वाद प्राप्त हो,, ऐसी मंगल कामना के यह लिए माताजी से भजन संध्या के माध्यम से प्रार्थना की गई मां आई जी सदैव अपने भक्तों पर कृपा बनाए रखेंभ माताजी हमेशा

अपने भक्तों की रक्षा करते हैं इस धार्मिक आयोजन से बढेर वातावरण गुंजायमान हो गया भजनों की स्वर लहरियों में उपस्थित श्रोतागण गोता लगाने लगे माताजी के अखंड ज्योति के दर्शन कर सभी भक्तगण धन्य धान्य हो गए। इस भजन संध्या की शुभ बेला में सीरवी समाज के अंदर शिक्षा संस्कार एवं सहयोग के लिए कार्यरत समाज की समाज सेवी संस्था श्री आईजी सेवा समिति के पदाधिकारियों को भी सादर आमंत्रित किया गया था समिति अध्यक्ष खेताराम गहलोत समिति उपाध्यक्ष प्रतापराम हांम्बड़ समिति महासचिव मोहनलाल परिहार सहित समिति के काफी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समिति अध्यक्ष खेताराम गहलोत का स्वागत पुलियांतोप बढेर के पुर्व अध्यक्ष बिंजाराम आगलेचा एवं पुर्व सचिव सोहनलाल काग द्वारा तथा समिति उपाध्यक्ष प्रतापराम हांम्बड़ का स्वागत वर्तमान अध्यक्ष मांगीलाल आगलेचा एवं सचिव हरीराम चोयल द्वारा किया गया पूलियांतोप संस्था कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार जी सैंणचा सहित पुलियांतोप बढेर के सभी पदाधिकारियों द्वारा समिति सदस्यों का सराहनीय आदर सत्कार सम्मान किया गया। पूलियांतोप बढेर द्वारा समिति के सभी कार्यकर्ताओं को बहुत बहुमान सराहनीय अतिथि सत्कार मिला इसके लिए समिति परिवार आपका आभार व्यक्त करता है पुलियांतोप संस्था के सभी गणमान्य सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हैं। सत्संग कार्यक्रम के उपलक्ष में स्थानीय संस्था के सभी सदस्यों द्वारा समिति के कार्य प्रणाली से अवगत होने का सराहनीय प्रयास हुआ समिति कार्यप्रणाली से पुलियंथोप बडेर के भामाशाह बड़े प्रसन्न हुए तथा समिति संगठन का आभार व्यक्त किया एवं सभी पदाधिकारियों को इस मिशन के लिए मजबूती प्रदान करने का वादा किया पुलियंथोप बढेर सचिव हरिराम चोयल द्वारा मंच संचालन करते हुए समिति के उद्देश्यों पर प्रभाव डाला गया समिति समाज में जो कार्य कर रही हैं उनका विस्तार पूर्वक वर्णन किया गया एवं उपस्थित सदस्यों को इस उद्देश्य से अवगत करवाते हुए समाज में ऐसे संगठनों का समर्थन करने का आह्वान किया। समिति को पुलियंथोप बढेर भामाशाओं द्वारा बहुत ही सराहनीय आर्थिक सहयोग मिला एवं भविष्य में इस संगठन को मजबूत करने हेतु तन मन धन से सहयोग करने का आश्वासन भी मिला इस शुभ अवसर पर समिति की ओर से अध्यक्ष खेताराम गहलोत उपाध्यक्ष प्रतापराम हांम्बड़ महासचिव मोहनलाल परिहार कोषाध्यक्ष चेनाराम हांम्बड़ सह कोषाध्यक्ष हरिराम चोयल मीडिया प्रभारी नारायणलाल चोयल मीडिया प्रतिनिधि अमर काग सलाहकार गोपीराम मुलेवा समिति कार्यकर्ता गणेशराम बर्फा सहित ओर भी सदस्य उपस्थित रहे। समिति की ओर से मंच संचालन सीरवी नाथूराम काग द्वारा किया गया। नाथूराम काग द्वारा समिति द्वारा समाज सेवा में किए जा रहे कार्य कार्यों का एवं समिति के उद्देश्यों से उपस्थित सामाजिक बंधुओं को अवगत करवाया गया। समिति के साथ जुड़कर इस संगठन को मजबूत करने में योगदान देने की गुजारिश की गई एवं समिति कार्यकर्ताओं को उचित मार्गदर्शन देने में सहयोग देने का निवेदन किया गया समिति द्वारा उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए पुलियांतोप बडेर संस्था के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम को समापन किया गया ये जानकारी सीरवी नाथूराम काग चेन्नई द्वारा दी गई।

कांग्रेस नेता पर दर्ज किये गये मुकदमे की हो जाँच, एसडीएम को सौपा ज्ञापन

मऊरानीपुर (झाँसी) जिला काँग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष भगवान दास कोरी के नेतृत्व में एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी मऊरानीपुर के माध्यम से जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी को भेजा गया। जिसमें बताया गया कि वरिष्ठ काँग्रेसी नेता , आर्य समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समाजसेवी राजेन्द्र सिंह यादव निवासी झाँसी व उनके परिजनों के विरुद्ध हत्या जैसे गम्भीर अपराध का मुकदमा दर्ज कराया गया है। जिसमें लोगों का मानना है कि उनके विरुद्ध रंजिशन झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया है। काँग्रेस के वरिष्ठ नेता और उनके परिजनों के विरुद्ध दर्ज कराये हत्या के मुकदमें की निष्पक्ष जाँच करायी जाये। वारदात के समय राजेन्द्र सिंह व उनके आरोपी बनाये गये पुत्र की मोबाईल फोन की लोकेशन ट्रेस करायी जाये व लोकेशन स्थल के सीसीटीवी फुटेज से जानकारी प्राप्त कर निर्दोषों का नाम निकाला जाये एवं प्रकरण की गहराई से जाँच कराकर असली गुनाहगारों को गिरफ्तार कर दोषियों को कडी से कडी सजा दिलायी जाये। इस मौके पर अशोक गुप्ता, हनीफ मलिक, दीनदयाल गुप्ता, प्रेमनारायण, विनोद अहिरवार, रफीक अहमद, सुरेश नगाइच, सुनील दुबे आदि काँग्रेसजनों के ज्ञापन में हस्ताक्षर थे।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री सहित 90 काँग्रेसियों पर दर्ज हुये मुकदमे हो वापिस, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मऊरानीपुर (झाँसी) जिला काँग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष भगवान दास कोरी के नेतृत्व में एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी मऊरानीपुर के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को भेजा गया। जिसमें बताया गया कि महोबा जिले के कबरई में गाय बचाओ, किसान बचाओ यात्रा लेकर शान्तिपूर्ण ढंग से जा रहे काँग्रेस जनों के विरुद्ध दर्ज कराये गये झूठे मुकदमें को वापस लेने की माँग की गयी। जिसमें बताया गया कि सभी को विदित है कि उत्तर प्रदेश काँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू जी के नेतृत्व में काँग्रेस द्वारा ललितपुर से चित्रकूट तक गाय बचाओ, किसान बचाओ यात्रा निकाली गयी थी। जिसे प्रशासन द्वारा अवैध तरीके से कई जगह बाधित किया गया । इसी क्रम में पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य व काँग्रेस के राष्ट्रीय सचिव रोहित चौधरी, प्रदेश काँग्रेस के उपाध्यक्ष योगेश दीक्षित, प्रदेश महामंत्री राहुल राय के नेतृत्व में 30 दिसम्बर को यात्रा शान्तिपूर्ण ढंग से महोबा चित्रकूट की ओर जा रही थी। कबरई में पुलिस ने अवैध तरीके से यात्रा को रोक कर यात्रा में जा रहे काँग्रेसियों पर बर्बरतापूर्वक लाठी चार्ज किया और काँग्रेसजनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शान्तिपूर्ण तरीके से यात्रा लेकर जा रहे पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य समेत 90 काँग्रेसजनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर अलोकतान्त्रिक कार्य किया है। जो संविधान के विरुद्ध है। वही काँग्रेसियों के विरुद्ध दर्ज किये गये मुकदमें को अविलम्ब वापस लिये जाने के लिये प्रशासन को आदेशित करने की माँग की गयी । इस मौके पर हनीफमलिक, दीनदयाल गुप्ता, विनोद अहिरवार, इं. जगदीश प्रसाद, रफीक अहमद, प्रेमनारायण, शहीद खाँ, सुनील दुबे, अशोक गुप्ता, सुरेश नगाइच, मुकेश कुमार, भूपेन्द्र आदि काँग्रेसजनों के ज्ञापन में हस्ताक्षर थे।

सम्पादकीय

मौसम की मार

राष्ट्रीय राजधानी में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने नए साल का स्वागत किया है। दिल्ली में कहीं-कहीं पारा 1.1 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। कोहरे की वजह से जनजीवन और यातायात प्रभावित हो गया। इससे पहले 8 जनवरी, 2006 को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। पिछले साल जनवरी में इतनी ठंड नहीं थी। पिछली जनवरी में सबसे कम तापमान 2.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, लेकिन इस बार पहली ही जनवरी को सफदरजंग, दिल्ली में तापमान 1.1 डिग्री सेल्सियस पर रिकॉर्ड होते ही भारतीय मौसम विभाग ने बता दिया कि यह पिछले 15 वर्ष में नववर्ष का सबसे ठंडा पहला दिन है। हमें सावधान रहना चाहिए। आने वाले दिनों में न केवल सर्दी बढ़ने वाली है, बल्कि कोहरे का भी प्रकोप बना रह सकता है। साल के पहले दिन कोहरा इतना घना था कि दृश्यता पचास मीटर से भी कम हो गई थी। पहाड़ी प्रदेशों में बर्फीला आलम है, तो उत्तर प्रदेश और बिहार में भी शीत लहर की स्थिति है। इसके साथ ही जुड़ी एक महत्वपूर्ण सूचना है कि उत्तर भारत में आगामी तीन से पांच जनवरी तक बारिश की आशंका है। यह नई बात नहीं है, भारत में मौसम बड़ा दिलचस्प विषय है। लेह, श्रीनगर में तापमान माइनस में चला जा रहा है। मिसाल के लिए, दिल्ली में जहां अधिकतम तापमान 16 डिग्री के आसपास चल रहा है, वहीं मुंबई में न्यूनतम तापमान 22 डिग्री और चेन्नई में 21 डिग्री दर्ज किया गया है। कोलकाता में भी ठंड है, जहां न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को समुद्र के पास होने के कारण राहत है, जबकि दिल्ली में पहाड़ों से ठंड बहती आ रही है। बाकी तीन महानगरों में जहां तापमान अपेक्षाकृत संतुलित रहता है, वहीं दिल्ली का हाल न केवल सर्दियों में बुरा रहता है, बल्कि गरमियां भी यहां कहर ढाती हैं। पिछली गरमियों में लॉकडाउन के दौरान दिल्ली में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया था। मौसम का यह उतार-चढ़ाव दरअसल दिल्ली का अपना दर्द या दस्तूर है। क्या दिल्ली को ऐसी भयानक ठंड और गरमी से बचाया जा सकता है? हां, दिल्ली के समाज में खुशहाली और संसाधनों की कमोबेश समानता लाकर मौसम के कहर से निपटा जा सकता है, पर इसका असली दर्द है प्रदूषण। यहां इन दिनों की हवा सांस लेने लायक नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने गुरुवार को दिल्ली और एनसीआर के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को वायु प्रदूषण रोकने के लिए तत्काल व प्रभावी कदम उठाने को कहा है। दिल्ली के बारे में वाकई सोचने की जरूरत है। ठंड, कोहरा, शीतलहर, गरमी, लू इत्यादि पर हमारा जोर नहीं है, लेकिन प्रदूषण के मोर्चे पर तो हम जरूर काम कर सकते हैं। पर क्या हम दिल्ली में प्रदूषण को लेकर पर्याप्त गंभीर हैं? अभी आंदोलित किसानों को मनाने के लिए केंद्र सरकार जिस तरह से पराली जलाने संबंधी कुछ रियायत देने को तैयार हुई है, उससे भी यही लगता है कि हम एक अच्छा-कड़ा कदम बढ़ाने के बाद उसे आधा पीछे खींचने से पहले दिल्ली के जानलेवा मौसम के बारे में नहीं सोचते हैं। आज ठिठुरती दिल्ली परेशान है, अगर वह अलाव भी जलाएगी, तो इससे प्रदूषण बढ़ेगा। बेशक, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को इस मजबूरी से निकालना चाहिए, ताकि वह देश के लिए एक मिसाल बने।

अब स्त्री विमर्श बंद हो

आज इक्कीसवीं सदी में भी कुछ स्त्रीयों के प्रति कुछ मर्दों का नज़रिया अट्ठारहवीं सदी वाला ही होता है उनकी नज़रों में स्त्री कम अक्कल, हीनबुद्धी और भोगने की वस्तु मात्र है। क्यूँ आज भी लेखकों की कलम बार-बार स्त्री विमर्श में लिखने को मजबूर होती है। आज भी स्त्रीयों के लिए पन्ने भर-भरकर लिखा जाता है। अबला, लाचार, बेचारी जैसे उपनाम से नवाज़ी जाती है। इसका मतलब कहीं ना कहीं कुछ स्त्रियों के साथ अन्याय हो रहा है। स्त्रीयों को निम्न समझने वालों को कुछ बातें समझनी चाहिए स्त्री संसार की धुरी है, चार दिन भी स्त्री के बिना गुज़ारा नहीं कर पाओगे। स्त्री सम्माननीय है।

कुछ बातों को समझने की जरूरत है। अगर स्त्री पुरुष के पीछे रहती है तो इसका मतलब ये हरगिज़ नहीं की वो कमज़ोर है। स्त्री अपने पति का सम्मान करती है, अपने पति को आगे रखकर ये जताना चाहती है की आप हमारी ज़िंदगी के रथ के सारथी हो, आपकी छत्रछाया में हम महफ़ूज़ है, आपके नक्शेकदम पर चलकर मैं मंज़िल को पाना चाहती हूँ। ौर अगर स्त्री पुरुष के आगे रहती है तो वो गर्वित या अहंकारी नहीं, नांहि वह स्त्री खुद को पुरुष से शक्तिशाली हूँ ऐसा स्थापित करना चाहती है। ऐसी स्त्री सिर्फ़ ये जताना चाहती है की आप पर आने वाली हर विपदा को पहले मुझसे टकराना होगा, मैं ढ़ाल हूँ। ज़िंदगी के संघर्ष में आप पर उठने वाली बिहड़ लहरों को पहले मैं झेलूँगी, आप पर उठने वाली ऊँगली को मरोड़ दूँगी। और अगर स्त्री पुरुष के साथ चलती है तो कुछ पाने की चाह में नहीं बल्कि पुरुष के उठाए हर कदम हर निर्णय में उसका साथ देना चाहती है। कंधे से कंधा मिलाकर ज़िंदगी की हर लड़ाई में साथ देना चाहती है, स्त्री को ईश्वर ने सक्षम बनाया है वह घर और बाहर दोनों ज़िम्मेदारीयाँ बखूबी निभाने में माहिर होती है। आज की नारी कहाँ से कहाँ पहुँच गई है हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाकर खुद को स्थापित किया है। पर देखा जाता है की मर्दों को ऐसी बुद्धिमान और सक्षम औरतें पसंद तो बहुत है

पर अपनी नहीं किसी ओर की, अपनी को हंमेशा खुद से एक पायदान नीचे ही देखना पसंद करते है। क्यूँ आखिर कब तक कुछ औरतें ऐसे नज़र अंदाज़ होती रहेगी? शृंगार रस में औरतों की जी भरकर तारिफ़ें होती रहती है, कामुकता की क्यारी मात्र नहीं। स्त्री जरूरत है परिवार की, स्त्री जरूरत है संसार की अब तो बराबरी का दर्ज़ा दे दो कब तक पैरों की जूती समझकर मसलते रहोगे। ज़िंदगी का अलाव कुछ स्त्रियों के लिए लिए कुछ ज़्यादा ही शीत है, अपने हिस्से की धूप की तलाश में सदियों से दो गोत्र में बंधी भटक रही है। वो ढूँढ रही है एक ऐसा पुरूष जो उसे स्त्री होने का अर्थ प्रदान करें, जो उसके अस्तित्व को आसमान दें। उसका हाथ पकड़ कर उम्र के सफ़र में हर राह पर फूलदल सी परत बिछाए। वो तरस रही है नम आँखों से अपनी पहचान ढूँढती कोई थामें हाथ और घर की दहलीज़ पर छोटे से अक्षरों में उसका नाम भी गुदवा कर हल्की सी पहचान दे। ज़िंदगी की आपाधापी में उलझते जो खुद के प्रति लापरवाह होते खो गई है उसे याद दिलाए की वो सिर्फ़ पत्नी, बहू और माँ ही नहीं एक इंसान भी है। कुछ बातें याद दिलाए जो बालों में उग आई चाँदी के भीतर दब गई है तन से परे उसके मन की भूगोल को समझे। भावनाओं की कसमसाती नदी को खेलदिल दरिया बनकर अपने भीतर थाम ले। वो ढूँढ रही है एक ऐसा पुरूष जो लक्ष्मी, दुर्गा और सीता सा सम्मान दें। धुंधले पड़े उम्र के आईने से संघर्षो की लिपि धूल को पोंछकर उसके वजूद का प्रतिबिंब दिखाए। सदियों से कुछ नारी पन्नों पर विमर्श की परछाई बन उभर रही है। एक पन्ना आज़ादी के कोरे आसमान सा ढूँढ रही हैं। कब आएगा वो दिन जब साहित्य के संसार से स्त्री विमर्श का अध्याय समाप्त कर दिया जाएगा और स्त्री मर्द का पर्याय विषय को सम्मिलित कर लिया जाएगा।

(भावना ठाकर,बेंगुलूरु)प्रभावु

अग्रकुल महिला समिति द्वारा नये साल का आगाज धूमधाम से डी डी मॉल मैं किया गया इस अवसर पर कई तरह की प्रतियोगिता रखी गई संस्थापक अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल और रश्मि अग्रवाल ने बताया की कोरोना महामारी के चलते पिछले साल जिंदगी बहुत तनावग्रस्त रहीं इसलिए इस नये साल पर उन्होंने खुशनुमा माहौल बना रहे इसलिए वेलकम 21 नामक इस कार्यक्रम को किया जिसमे मिसेज़ अग्रकुल के रूप मैं पूनम अग्रवाल चुनी गयीं प्रथम रनर अप आरती बंसल.. रहीं और द्वितीय रनर अप..दीपा जैन रहीं तृतीय रूबी अग्रवाल रहीं बेस्ट कॉन्फिडेंस का अवार्ड बबिता अग्रवाल को दिया गया साथ ही कैट वाक में प्रथम.संगीता जैन.. द्वितीय मोनिका जैन ... और तृतीय..अर्चना अग्रवाल आयीं बेस्ट स्माइल के लिए.प्रथम नीलम जैन और द्वितीय पदमा बंसल चुनी गयीं बेस्ट हेयर स्टाइल संगीता अग्रवाल का रहा.बेस्ट ड्रेस अप दीपमाला जैन का रहा मुख्य अतिथि और जज के रूप में इंडियन आइडल फेम और सिंगर शिन्नी कालवृंत और मॉडल और अभिनेता ऋतुराज चौहान उपस्थित रहे इस कार्यक्रम की संयोजिका लक्ष्मी अग्रवाल, सुलभा मित्तल, सीमा मित्तल, मीनू जैन, प्रियंका अग्रवाल, शशि अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, अलका गुप्ता,मोनिका अग्रवाल, ज्योति गुप्ता थीं।

संजीव-नी

ता उम् परखा, ताकत दवाओं की,
ता उम् परखा, ताकत दवाओं की,
दंग हूं देख ताकत दुआओं की!!
जलता रहा चिराग बीच तूफां के,
मानो मिली है उसे ताकत हवाओं की।
वो बच्चा बढ़कर बना जंगबाज सिकंदर,
उसके हाथों में थी ताकत माँ की दुआओं की।
तालीम से ताकत, ताकत से अकूत दौलत,
पर रुहानी सुंकु हैं असर से दुआओं की।
परिंदों ने दास्तां सुनाई चुपके से कानों में,
पंख से नही,ऊँची उड़ान है हौसलो की।
मिला करो यूँ ही गाहे बगाहे सुबह शाम,
महसूस करते है तासीर गर्म,ठण्डी हवाओं की।

संजीव ठाकुर,रायपुर, छ,ग,9009415415

एक टुकड़ा जिंदगी

बैठे हैं बड़े घरों वाले आलीशान कमरों में, ओढ़े गर्म कम्बल , चल रहा गर्म हवा देता हीटर, कंपकंपाते हाथै में चाय का प्याला है। उस पर भी लगती ठंडी उनको, कोई करने को काम ना रजाई से बाहर हाथ निकाला है। पहन ब्रांडेड जैकेट और जींस मोटी-मोटी उनी मोजो से खुद को ढक डाला है। इश्वर का कहर तो देखो पड़ा उन गरीबों पर सड़क है घर जिनका आसमान की छत है , ना जाने कैसे सहते वो ये ठिठुरती सर्दी, ना वो कांपे ठंड और बारिश मे, ना धूप उनको जलाती है, लगे रहते करने को मेहनत लिए आस एक टुकड़ा जिंदगी के लिए। कहीं अगर भूले से भी मिल जाए एक टुकड़ा जिंदगी का एक उन्हें जी भर के वो जी लेते हैं, ना भी मिले तो चुपके से अपने आंसू वो पी लेते हैं। क्या सोचा हमने कभी वो भी तो जीवन जीने के अधिकारी हैं, इश्वर ने बक्शा उनको भी जीवन दान, तो क्यों फिर हम में ही सिर्फ पैसे की मारामारी है। मेहनत उनसे हम कराते हैं, मेहनताना ना पूरा दे पाते हैं, कभी हम खुद रखते, कभी बिचोले आधी कमीशन खाते हैं। ले दे कर जो बचते चार पैसे उन्हें उन्हीं से वो अपना गुज़ारा चलाते हैं, मगर फिर भी ना वो घबराते हैं, एक टुकड़ा जिंदगी की आस लगाते हैं ।

मौलिक एवं स्वरचित

प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

निगरानी चौकस न हुई, तो भारी पड़ेगा नया कोरोना

ब्रिटेन से उभरे तेजी से फैलने वाले कोरोना वायरस के नए संस्करण को लेकर दुनिया में कई तरह की प्रतिक्रियाएं चल रही हैं। यह आशंका हमेशा से थी कि कोरोना के दूसरे संस्करण भी उभर सकते हैं, जो कहीं बदतर होंगे। जिस वायरस को खत्म करने में जितना अधिक समय लगता है, उसके उतने ही अधिक संस्करण तैयार हो सकते हैं। वायरस में कुछ बदलाव ऐसे भी होते हैं, जो अनुकूल माहौल मिलने पर मानव से मानव के बीच ज्यादा तेजी से फैल सकते हैं। ब्रिटेन में पहली बार उभरे कोरोना के बी.1.1.7 नाम के संस्करण को अगर देखें, तो यह अपने निकटतम पूर्वज वायरस से असामान्य रूप से अलग है। यह इशारा करता है कि लंबे समय तक संक्रमित रहे किसी व्यक्ति से यह आया हो सकता है। यह बीमारी को ज्यादा तेजी से फैलाने में सक्षम है। बेशक, हाथ धोने, दूरी रखने और मास्क लगाने जैसे उपाय प्रभावी रहेंगे, लेकिन इस वायरस का संक्रमण उन देशों में विनाशकारी हो सकता है, जहां इन दिनों संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है और जहां की स्वास्थ्य व्यवस्था ज्यादा दबाव में है। अभी तक के नतीजे देखें, तो कोरोना का यह नया प्रकार ज्यादा गंभीर बीमारी या मृत्यु के उच्च जोखिम से नहीं जुड़ा है। हम यह भी अपेक्षा नहीं करते कि कोरोना का यह प्रकार टीके की प्रतिरक्षा या पूर्व में संक्रमित व्यक्ति में विकसित एंटीबॉडी से बचने में सक्षम होगा।

जिंदगी की जंग हौसले से जीतो

सभी को नए साल 2021 की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। यह 21वीं सदी के नए और तीसरे दशक की शुरुआत है। मेरी कामना यही है कि नए साल की पहली सुबह उगने वाले सूरज की ऊष्मा भरी किरणें सभी पर समान रूप से पड़ें। यह सूर्योदय सबको निरोगी बनाए, सबकी सेहत सुधारे और सबको अपनी ताकत से बीमारियों से लड़ने की क्षमता दे। दोस्तो, बीते साल के दिन बड़े कष्ट में गुजरे हैं। हर एक आदमी सहमा-सहमा-सा, खौफजदा रहा। कोविड-19 बीमारी ने पूरी दुनिया में सिर उठाया और हाहाकार मचा दिया। कई लोगों का घर-बार छूट गया, रोजगार छूट गया। अपने सपनों की गठरी लिए कितने ही घर, परिवार से बेदखल हो गए। कितने ही लोग शहरों से गांव लौट गए, कितने ही राहों में ही बीमार हुए और जीवन से हाथ धो बैठे। बीते साल में आम आदमी के साथ-साथ देश के कुछ बड़े कलाकार और लेखक भी हमसे बिछुड़ गए। खबरें आती रहीं, हम मन मसोसकर सुनते रहे। 2020 का साल इस मायने में याद किया जाएगा कि उसने लगभग हर इंसान के मनोबल को तोड़ने का काम किया। ऐसी बीमारी हमारे पीछे लग गई, जो बिना आहट हमला करती थी। चिंटू (ऋषि कपूर), इरफान, जगदीप, बासु दा (बासु चटर्जी) जैसे कलाकार हमारे बीच से चले गए। सुशांत सिंह राजपूत की मौत ने झकझोरकर रख दिया। और भी कितने लोग इस साल साथ छोड़ गए।

लेकिन 2020 का साल इस बीमारी से लड़ने वालों और इसका मुकाबला करने वालों के नाम भी रहा। मैं अपने देश के डॉक्टरों और पुलिस को सलाम करना चाहूंगा, जिन्होंने महीनों अपने घर न जाकर, अपने घर-परिवार की रक्षा-सुरक्षा की परवाह न करते हुए खुद को जनसेवा में झोंक दिया। उन्होंने कड़ी गरमी, बरसात और इस जाड़े में लगातार काम करते हुए, एक सीमा के बाद सब्र खो देने वाली जनता के गुस्से, उसकी आक्रामकता को भी बिना शिकायत सहन किया और उनकी पीड़ा, वेदना को अपनी सदाशयता से शांत करने में कोई कोर-कसर न छोड़ी। दोस्तो, आपका यह हीरो पिछले पूरे साल भी आपके साथ लगातार बना रहा है। मैं बीते साल अपने फॉर्म हाउस में रहा, जहां मेरे सपनों का संसार बसता है। आपका धरम आज भी वही है, जो अपनी आंखों में सपने सहेजकर मुंबई किस्मत आजमाने आया था। मेरे पास थी सख्त और अनुशासित पिता की नसीहतें और भोली-भली मां की दुआएं। यह वह धरम था, जो बड़े फिल्म स्टार दिलीप कुमार, सुरैया और श्याम का फैन था। यह वह धरम था, जिसके मन में एक दिन रुपहले परदे पर आने का ख्वाब था। किस्मत ने साथ दिया, टैलेंट कॉन्टेस्ट में सेलेक्ट हो गया, लेकिन एकदम से कोई चमत्कार नहीं हुआ। निर्माताओं और निर्देशकों के दफ्तरों के चक्कर लगाने पर भी बात बन नहीं रही थी। उन दिनों मेरे जैसा ही एक और स्ट्रगलर था, जो खुद भी हीरो बनने के ख्वाब लेकर आया था। मैं और वह अक्सर मिल जाया करते। उसने एक दिन वादा कर दिया, यार, अगर मुझे ज्यादा दिन काम नहीं मिला, तो मैं फिल्म बनाऊंगा और हीरो तुझे लूंगा। शायद मेरी किस्मत से ऊपर वाले ने उसकी यह बात सुन ली। मेरा वह प्यारा दोस्त अर्जुन हिंगोरानी था, जिसकी फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से मुझे ब्रेक मिला और उसी की फिल्मों कब क्यों और कहां और कहानी किस्मत की ने मुझे स्टार बना दिया। इसके बाद की यात्रा के आप सब साक्षी हैं, क्योंकि आप ही के प्यार ने मुझे फूल और पत्थर, अनुपमा, सत्यकाम, बंदिनी, ममता, गुड्डी, चुपके-चुपके, प्रतिज्ञा, लोफर, जुगनू, शोले, धरमवीर जैसी सैकड़ों फिल्मों से इस मुकाम तक पहुंचा दिया। ये मेरे दिल की बात है, दिल का सच है। 2020 तो मेरे लिए इसलिए भी खास रहा कि हेमा मालिनी के साथ मेरी जोड़ी को भी 50 साल हो गए। शराफत हमारी पहली फिल्म थी, जो 1970 में रिलीज हुई थी। यह आप सबका प्यार था, जो आपने इस जोड़ी को सुपरहिट बना दिया। आप सबकी बदौलत ही मैंने 60 साल की लगातार चलने वाली यात्रा को रुकने नहीं दिया है। कभी हिम्मत न हारना मेरे उसूल में है। मैं हमेशा सबको इज्जत देता हूं, जिसके बदले में मुझे सबसे इज्जत मिलती है। जिस तरह से लोग मुझसे मिलते हैं, उनके चेहरे पर अपने लिए प्यार और आदर देख मैं भावुक हो जाता हूं। जो मेरे हमउम्र हैं, जो मेरे बच्चों की उम्र के हैं और जो मेरे पोते की उम्र के हैं, सबसे यही कहना चाहता हूं कि आप भी ऐसी क्षमता रखते हो, जो हवा का रुख बदल देती है। आप ही वह ऊर्जा हो, जो हारे हुए को भी जिता देती है। दोस्तो, इतना लंबा संघर्ष करने, इतनी ऊंची चढ़ाई चढ़ने के बाद भी कदम न तो थके हैं और न ही रुके हैं। यही मेरा आपसे भी कहना है। विपरीत धारा और बहाव में भी कदम लड़खड़ाए नहीं, यह हमें ध्यान रखना होगा। यह जो साल हमने बंधकर बिताया है, यह जीवन-रक्षा के लिए जरूरी था। यह खतरा भी अलग तरह का था। मैंने तो अपने फार्महाउस में रहकर खूब सब्जियां उगाईं, ट्रैक्टर चलाया, पशु-पक्षियों और मवेशियों की देखभाल की। वहीं से लगातार ट्विटर के जरिए मैं आप सबसे जुड़ा हुआ था। मेरे वीडियो और मैसेज को आपने खूब लाइक करके मुझे नई ऊर्जा दी। हमारी ऊर्जा ऐसे ही एक-दूसरे के काम आती है। एक-दूसरे को ऊर्जा देते हुए अपनी-अपनी जिंदगी की जंग बहादुरी और हौसले से ही जीती जा सकती है। मुकाम कैसा भी आए, कभी हार नहीं माननी चाहिए और न ही हौसला खोना चाहिए। खुश रहना, सक्रिय रहना और काम करते रहना ही जिंदगी है। अभी कुछ दिन पहले निर्देशक अनिल शर्मा मुझसे मिलकर गए। खबर यह है कि नए साल में हमारी फिल्म अपने 2 की शूटिंग शुरू होने वाली है। नए साल में आप सबके लिए यह दुनिया पहले जैसी ही खुशनुमा और आजाद हो जाए, तहेदिल से यही दुआ है, प्रार्थना है। अपना ख्याल रखिएगा। जब तक यह बीमारी है, तब तक कोई कोताही मत कीजिएगा। सुरक्षित रहिएगा।

बेटे को शुभाशीष

आज भी पुल्कित होता है मेरा रोम-रोम,
तुम्हारे जन्म का याद आता है जब वो क्षण ।
प्रसव पीड़ा क्षण में हुई विलुप्त,
किलकारी की गूंज सुनी जब कर्ण ।
नन्हें से गोद में थे तुम जब मेरी,
मातृत्व का अहसास था तुमने कराया ।
शुभ आशीष मिला तुम्हें सभी का ,
मन सभी का था हर्षाया ।
खुशियाँ बेशुमार तेरी झोली में,
यारों की तुम्हें यारी मिले ।
जन्मदिन पर देते तुम्हें यही दुआएँ,
सदा अपनों का प्यार मिले ।
रोशन हो तेरा हर पल यहाँ ,
दीर्घायु और चिरस्वास्थ मिले ।
बल,बुद्धि मिले तुम्हें,
ईश्वर की कृपा का हाथ रहे।

रश्मि वत्स
मेरठ(उत्तर प्रदेश)

अपनी रचना को प्रकाशित करने के लिए

गत वर्ष के लिए कुछ स्वरचित पंक्तियाँ..
कुछ याद है कुछ भूल गया ,
गत वर्ष तो बिल्कुल शूल गया।
जो भी थी मन में कामना ,
हम न कर सके उसका सामना ।।
चाहत तो थी मंजिल पाने की,
अपने नवजीवन के सपनों को सजाने की।
सपने तो बिखर गए तारों में,
हम तो पड़े रहे अँधियारो में।।
कुछ जान गए कुछ पहचान गए,
कुछ अपने ही अनजान गए।
कुछ याद है कुछ भूल गया,
गत वर्ष तो बिलकुल शूल गया।।

पं . सुजीत शर्मा(शिक्षक)प्रयागराज

रचना मौलिक स्वलिखित/अप्रकाशित

जीवन का दंश
बुढ़ापे में न जाने क्यूं
बढ़ जाता है हाय! हाय!
आदमी चाहता है सब
समेट
औलाद को सौंप दे
विरासत
लपेटने- समेटने के
चक्कर में
आदमी खो देता है चैन !
कभी यहॉं , कभी वहॉं का दौड़
सुनहले सपनों की ख्वाहिसों में
वर्तमान को कर देता है दरकिनार
शरीर जब देता नहीं साथ
घर-परिवार के लिए हो जाता है बोझ
तब फिर हाय! हाय! मरता नहीं
न जानें क्यूं बुढ़ापे में
आदमी का बढ़ जाता है हाय! हाय!

शिवनन्दन सिहं
साधुडेरा बिरसानगर
जमशेदपुर, झारखण्ड
831004, 9279389968

वह शब्द कहां से लाऊं

जो हृदय के मर्म को
अभिव्यक्त कर दे।

वह प्रेम कहां से लाऊं,
जो तुम्हारे हृदय को
तृप्त कर दे।
वह संगीत कहां से लाऊं,
जिसमें सातों सुरो की
हो झंकार।
वह छंद कहां से लाऊं,
जिसमें आठो रस और
हो अलंकार।
वह सिंगार कहां से लाऊं,
जो सुंदरता को
परिभाषित कर दे।
वह रूप कहां से लाऊं,
जो नैनो को
आकर्षित कर दे।
वह सम्मोहन
कहां से लाऊं,
जो तुम को
सम्मोहित कर दे।
वह कटाक्ष
कहां से लाऊं,
जो तुम को
मोहित कर दे।
मैं सरल,शून्य अवगुणी,
फिर भी तुझको
सब अर्पण।
स्वीकार करो
मेरे प्रियतम,
मेरे सांसों का समर्पण।

कामिनी मिश्रा,वरिष्ठ गीतकार कवयित्री व स्वतन्त्र लेखिका,वरिष्ठ शिक्षिका व स्तम्भकर,प्रा0वि0-लालमन खेड़ा,

संस्कार देश की पूंजी है

क्या सिर्फ कहने भर की
रह गयी ये बात अब
संस्कार देश की पूंजी है....
गमगीन आँखों में आँसू लिये
अपने परिजन को करने विदा गए
सगे संबंधी
और श्मशान की छत धराशायी
होने से कई जान गंवा बैठे कई
हुए घायल
क्या भरना बड़ा खामियाजा उन्हें
लालच , भ्रष्टाचार में लिपटे उन
लोगों के कारण जिन्होंने किया
उसका निर्माण कार्य
चंद रुपयों की खातिर कर लेते
कैसे सौदा ये बेईमान मासूम की जानों का
कर घटिया निर्माण कभी पुल, फ्लाईओवर ,
सड़क, स्कूल , घर और अब तो छोड़ा नहीं
श्मशान घाट भी
कैसे संस्कार ये कैसी देश की पूंजी
वहीं कोई करता हुंकार भर धर्म का प्रचार
जिस से बस भरती नफरत और द्वेष
कहीं मनमानी बस कर लागू नियम कानून
कड़कती ठंड , तेज़ हवा, बारिश में सड़कों पर
महीने भर से बैठे किसान हर उम्र के
बेहाल
पर अड़े हैं शासक और शासन दोनों ही
क्यों थोपना यूँ लोगों पर अपनी निजी सोच बैठ
ऊंची कुर्सी पर

ऐसे क्या चलेगा देश इन खोखले
संस्कारों पर बन पूंजी चंद हाथों
की
जहां कोई वर्ग ,न वृद्ध, न युवा,
न स्त्री, न पुरूष कोई भी
खुशहाल नहीं
हर तरफ बस बेबसी, लाचारी
और दुहाई
ऐसे में कैसे संस्कार बने देश की
पूंजी
जहां कोई भी रौंद दे इज़्ज़त
कर मनमानी
न देखे मासूम बचपन, न युवा , न प्रौढ़
बस अंधा उन्माद , अंधा खुमार
जिसने किये कई बड़े छोटे घिनौने कांड
....इस तरह बस तरफ है अराजकता, बदहाली
जिसमें
गम हुई सभ्यता, संस्कार, इंसानियत।।

.....मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा

अपने किरदार के बारे में गहन शोध करती हैं कीर्ति कुल्हारी

अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने अपने काम के अनुभव को साझा किया है। उनका कहना है कि वह स्क्रिप्ट और भूमिका पर बहुत काम करती हैं। हाल ही में वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस: बिहाइंड लोज्ड डोर'' नजर आई हैं। इस बारे में उन्होंने कहा वह दो मनोवैज्ञानिकों से मिलकर वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस: बिहाइंड लोज्ड डोर में अपनी भूमिका की तैयारी की। कीर्ति ने कहा, 'मैं अपनी भूमिकाओं के लिए बहुत होमवर्क करती हूं। साथ ही मैं अपने किरदार के बारे में गहन शोध करती हूं। उनके हाव भाव, उनके पसंद-नापसंग साझती हूं। क्रिमिनल जस्टिस: बिहाइंड लोज्ड डोर के लिए मेरे किरदार अनु चंद्रा की तैयारी के लिए मैं शादी के बाद रेप और इसके पीड़ितो को साझने के लिए दो मनोवैज्ञानिकों से मिली।' उन्होंने कहा कि 'यह एक बहुत ही दिलचस्प सत्र था जिसने मुझे यह साझने में मदद की कि ये पीड़ित महिलाएं या हैं, उनकी कहानियां या है, यह किस दौर से गुजरती हैं। वह उस विशेष रिश्ते को यों नहीं छोड़ती।'

सुपरविलेन का किरदार निभाना चाहते लव सिन्हा

बिहार राजनीति में असफल होने के बाद अभिनेता-राजनेता लव सिन्हा फिर बॉलीवुड वापसी करना चाह रहे हैं। उनका कहना है कि वह पर्दे पर एक सुपरविलेन का किरदार निभाना चाहते हैं। लव ने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुलासा किया कि वह फिल क्रिस 4 में बतौर विलेन की भूमिका निभाना चाहते हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा कि 'मैंने इसे पहले भी लिखा है, लेकिन मेरी ड्रीम भूमिका सुपरविलेन या एंटी हीरो की भूमिका निभाने की है। मैं इसे क्रिश 4 में निगेटिव लीड निभाना पसंद करूंगा या विश्वनाथ की सीक में भूमिका निभाना पसंद करूंगा। मेरा 2021 लक्ष्य।' बता दें कि लव ने राज कंवर की 2010 की रिलीज फिल 'सदियां' के साथ बॉलीवुड में हीरो के रूप में अपनी शुरुआत की। इस फिल वह रेखा, हेमा मालिनी और ऋषि कपूर के साथ नजर आए थे। हालांकि यह फिल लॉप हो गई।

मदर मिस्ट्री बनाने तैयार निर्माता अनु मेनन

फिल 'शकुंतला देवी' देवी के निर्देशक अनु मेनन एक मदर मिस्ट्री को बनाने के लिए तैयार हो गई हैं। इस फिल की स्क्रिप्ट अंतिा चरण में है और प्रमुख फोटोग्राफी अगले साल अप्रैल या मई के आसपास शुरू होने की उमीद है। हालां?कि, इस ?फिल के कलाकारों का खुलासा होना अभी बाकी है। इस बारे में मेनन ने कहा ?कि 'फिल एक तूफानी रात पर आधारित है। फिल एक लासिक मदर मिस्ट्री के ट्रॉप्स का उपयोग एक प्रासंगिक, साकालीन और रोमांचक कहानी बताने के लिए करती है। यह फिल एक शक्तिशाली विषय के साथ रोमांचक है।' बता दें ?कि उन्होंने इस फिल के लिए 'शकुंतला देवी' निर्माता विक्रम मल्होत्रा के साथ हाथ मिलाया है। इस बारे में विक्रम मल्होत्रा ने कहा, 'अनु की एक अनूठी कहानी शैली है और उनकी कहानियों को मजबूत महिला पात्रों के साथ रेखांकित किया गया है।

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने फिल्म 'हे सिनामिका' की शूटिंग की पूरी

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अपनी अगली फिल 'हे सिनामिका' की शूटिंग पूरी कर ली है। हाल ही में अदिति ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह फिल के निर्देशक बृंदा गोपाल संग नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में ये दोनों कैमरे की ओर देखते हुए नजर आ रहे हैं। अदिति ने तस्वीर के कैप्शन में लिखा ?कि'बृंदा मास्टर को सब इतना ज्यादा प्यार करते हैं, इसकी एक वजह है। कोरियोग्राफर, निर्देशक, बेटी, बहन, दोस्त, पत्नी, माँ और सबसे बढ़कर वह एक बेहतर इंसान हैं। अपने शॉट के मिलने तक वह आपको नहीं छोड़ती है। आप जैसी हैं, वैस बने रहने के लिए आपको शुक्रिया और इसलिए भी धन्यवाद, योंकि आपने मुझे चुना है। लव यू बृंदा मास्टर। शूटिंग पूरी हुई। हैशटैगहेसिनामिका। हैशटैगटीमगोल्स।' बता दें ?कि मशहूर कोरियोग्राफर बृंदा गोपाल के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल है, जिसमें के.माग्यराज, सुहासिनी मणिरत्नम और खुशबू सुंदर जैसे कलाकार भी हैं। इसमें दलकुर सलमान और काजल अग्रवाल जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

फॉरेंसिक विज्ञान के पेशेवरों की है अच्छी मांग

अपराधों की जांच में फॉरेंसिक विज्ञान के बढ़ते उपयोग को देखते हुए इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। हाल के दिनों में फॉरेंसिक साइंस का उपयोग तेजी से बढ़ा है। इसके प्रयोग को देखते हुए इस क्षेत्र में रोजगार की काफी संभावनाएं पैदा हुई हैं।

जाने क्या है फॉरेंसिक विज्ञान

किसी अपराध की जांच के लिए वैज्ञानिक सिद्धांतों का उपयोग फॉरेंसिक विज्ञान कहलाता है। इस क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवर फॉरेंसिक साइंस विज्ञानी होते हैं। ये पेशेवर नई तकनीकों का इस्तेमाल कर सबूतों की जांच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। ये क्राइम लैबोरेटरी आधारित जॉब है, जिसमें सबूतों की समीक्षा करना होता है. इस क्षेत्र में प्रवेश लेने के लिए फिजिक्स, केमेस्ट्री और बायोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल टेक्नोलॉजी या जेनिटिक्स जैसे विषयों में बैचलर डिग्री होनी चाहिए। वहीं, कुछ दूसरे जॉब में लैब अनुभव भी मांगा जाएगा। बैचलर डिग्री के अलावा आप मास्टर डिग्री या डिप्लोमा फॉरेंसिक साइंस में कर सकते हैं। इस क्षेत्र में ज्यादातर जॉब सरकारी सेक्टर में है। यहां पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसे जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, प्राइवेट एजेंसी भी फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स को हायर करती है। ज्यादातर फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलिजेंस ब्यूरो और सीबीआई की ओर से हायर किए जाते हैं। इसके अलावा एक टीचर के रूप आप फॉरेंसिक साइंस को किसी इंस्टीट्यूट में पढ़ा कर अच्छा खासा कमा सकते हैं। योग्यता के आधार पर आपका वेतन 20-50 हजार रुपये तक या उससे ज्यादा भी हो सकती है।

जरूरी स्किल्स

बातचीत करने में एक्सपर्ट हो क्योंकि कोर्ट में अपनी बातों को साबित करने के लिए मजबूत कम्यूनिकेशन स्किल्स जरूरी हैं. कई तरह के टेस्ट रिपोर्ट लिखने होंगे इसलिए राइटिंग स्किल भी अच्छी होनी चाहिए।

फॉरेंसिक साइंस कोर्स के लिए टॉप इंस्टीट्यूट...

इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फोरेंसिक साइंस, नई दिल्ली

लोक नायक जयप्रकाश नारायण नेशनल इंस्टीट्यूट

ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फोरेंसिक साइंस, दिल्ली

अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई

दूसरों की सलाह पर ही न करें बदलाव

कोरोना वायरस के कारण अभी देश में संभावनाएं कम हो गयी हैं। ऐसे में रोजगार की राह देख रहे युवाओं को धैर्य रखने के साथ ही अपनी दक्षता बढ़ानी होगी। रोजगार में भी कमी आने की आशंका है पर युवाओं को निराश होने की जरूरत नहीं है। नये साल में हालात बेहतर हो सकते हैं।

कैरियर बनाने के दौरान कई बार हमें सफल होने के लिए लोग सलाह देने लगते हैं। ऐसे लोगों का मानना रहता है इनकी वजह से हम खुद के प्रति रक्षात्मक हो जाते हैं और ऐसा व्यवहार करने लगते हैं, जैसे हम कुछ गलत काम कर रहे हों और हमें अपना रवैया या तौर-तरीका सुधारने की बहुत आवश्यकता है। यहां पर यह कहना सही नहीं होगा कि दूसरों के नजरिये या सुझाव हमेशा बेकार होते हैं पर हमें कोई भी बात आंख बंद कर स्वीकार नहीं करनी चाहिये हो सकता है जो बदलावा एक के लिए ठीक रहते हैं वह जरूरी नहीं दूसरे के लिए भी सफल ही रहें।

भीड़ से अलग होना

एक क्षण के लिए सोचें कि हम जीवन को लेकर अलग तरीके से व्यवहार करते हैं, हमारी शुरुआत अलग होती है और हमारे जीवन के अनुभव भी अलग ही होते हैं।

सलाह देना बन रहा चलन

लोगों को बदलाव की सलाह देना आजकल का चलन बनता जा रहा है। जरूरत से ज्यादा भावनाएं दर्शाने पर आप पर स्वभाव को लेकर एक प्रकार का ठप्पा लग सकता है।

दूसरों के लिए बदलने का क्या मतलब

हमारी आदत है कि हम प्रोत्साहन को देखकर प्रतिक्रिया करते हैं। वर्ष 2011 में एक शोध हुआ कि कैसे समाज में सक्रिय लोग अपने व्यवहार में बदलाव लाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो लोग इस बात को लेकर ज्यादा परेशान रहते हैं कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। जो लोग अवसाद में होते हैं, वे अपने बारे में ज्यादा बेहतर जानते हैं, बजाय उनके जो अवसादग्रस्त नहीं हैं।

एकदम बदलाव संभव नहीं

खुद को बदलना रातोंरात संभव नहीं होता, ना तो यह नए हेयर स्टाइल से संभव है और न ही वजन घटाने से या मस्तमौला दिखने से। बेशक इन बातों से हमें अच्छा महसूस हो सकता है, लेकिन हमारी आदतें और जीवनशैली वही रहेंगी और रह-रह कर तब तक उभर कर सामने आती रहेंगी, जब तक हम उन पर पूरी तरह से काबू नहीं पा लेते।

ईश्वर का उपहार है हमारा अनूठापन

दूसरे हमें स्वीकार करें, इस दिशा में प्रयास करते हुए कई बार हम यही नहीं समझ पाते कि ऐसा करके हम तनाव में आ रहे हैं या राहत महसूस करते हैं? हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि अपनी बेहतरी के लिए कोई प्रयास ही नहीं करें। हम जिस तरह से अनूठे हैं, वह एक तरह से ईश्वर का हमें दिया उपहार है। इसे भी संजोएं।

तेजी से उभर रहा फैशन कम्युनिकेशन क्षेत्र

तेजी से बदलते फैशन के इस दौर में फैशन कम्युनिकेशन के क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएं हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट का काम अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है।

जब भी फैशन इंडस्टी की बात होती है तो लोग फैशन डिजाइनर या मॉडल बनने की ही चाहत रखते हैं। लेकिन यह एक ऐसी इंडस्टी है, जिसमें पिछले काफी सालों में बदलाव आया है और इसी कारण अब इस क्षेत्र में करियर की नई संभावनाओं ने जन्म दिया है। फैशन इंडस्टी में एक ऐसा ही करियर है फैशन कम्युनिकेशन है। यह तेजी से उभरता क्षेत्र है और अब युवाओं का आकर्षण इस ओर बढ़ने लगा है।

संभावनाएं

फैशन कम्युनिकेशन का कोर्स करने के बाद आप फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, फैशन पत्रकार, प्रोफेसर, डिजाइन सहायक, फैशन सहायक, फैशन मार्केटिंग मैनेजर, फैशन एडिटर, फैशन फोटोग्राफर, कला निर्देश आदि भूमिकाएं अदा कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के बाद कई इंडियन व इंटरनेशनल ब्रांड के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

योग्यात

इसके लिए डिप्लोमा या बैचलर डिग्री की जरूरत रहती है। इसके बाद आप फैशन कम्युनिकेशन में ही मास्टर और डॉक्टरेट भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके काम पर निर्भर करती है और अनुभव के साथ आमदनी भी बढ़ती है। वैसे शुरुआती दौर में आप सालाना 2 से 3 लाख रुपए आसानी से कमा सकते हैं।

क्या होता है काम

एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट को कई काम करने होते हैं। वह अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। अपने क्लाइंट व बिजनेस हाउस की तरफ से मीडिया के साथ कम्युनिकेट व डील करते हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट डिजाइन लेआउट, वेब पेज और मल्टीमीडिया डिजाइन डेवलप करता है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में आपकी मार्केटिंग स्टेटजी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही आपमें कम्युनिकेशन व नेटवर्किंग स्किल्स भी बेहतरीन होने चाहिए, इसके बिना आपको अपने क्षेत्र में कठिन संघर्ष करना पड़ सकता है। वहीं इस क्षेत्र में डेडलाइन पर काम करना होता है, इसलिए आपको कई-कई घंटे लगातार काम करना पड़ता है। इसलिए अगर आपमें धैर्य व कठिन परिश्रम करने की क्षमता नहीं है तो आप इस क्षेत्र में नहीं टिक पाएंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मौखिक व लिखित दोनों ही रूपों में अलग-अलग भाषा पर पकड़ अच्छी होनी चाहिए।

प्रमुख संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, विभिन्न केन्द्र

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, गुजरात

सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे

इंस्टीट्यूट ऑफ अपैरल मैनेजमेंट, गुरुग्राम

जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के खिलाफ बोलना अरबपति जैक मा को पड़ा महंगा

पेइचिंग। कम्युनिस्ट विचारों वाले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपनी सत्ता के खिलाफ कुछ भी नहीं सुन सकते। चीन में उनकी तानशाही के ताजा शिकार यहां के तीसरे सबसे बड़े अरबपति और अलीबाबा समूह के मालिक जैक मा हुए है और वह पिछले दो महीने से लापता हैं।

चीन में तकनीक की दुनिया पर राज करने वाले जैक मा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ विवाद के बाद पिछले दो महीने से नहीं देखे गए हैं। जैक मा ने चीन के 'ब्याजखोर' वित्तीय नियामकों और सरकारी बैंकों की पिछले साल अक्टूबर में शंघाई में दिए भाषण में तीखी आलोचना की थी। दुनियाभर में करोड़ों लोगों के आदर्श रहे जैक मा ने सरकार से आह्वान किया था कि ऐसा सिस्टम में बदलाव किया जाए जो 'बिजनेस में नई चीजें शुरू करने के प्रयास को दबाने' का प्रयास करे। उन्होंने वैश्विक बैंकिंग नियमों को 'बुजुर्गों लोगों का क्लब' करार दिया था। इस भाषण के बाद चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी भड़क उठी। जैक मा की आलोचना को कम्युनिस्ट पार्टी पर हमले के रूप में लिया गया। इसके बाद जैक मा के दुर्दिन शुरूहो गए और उनके बिजनेस के खिलाफ असाधारण प्रतिबंध लगाया जाना शुरू कर दिया गया। नवंबर महीने में चीनी अधिकारियों ने जैक मा को जोरदार झटका दिया और उनके एंट ग्रुप के 37 अरब डॉलर के आईपीओ को निलंबित कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जैक मा के एंट ग्रुप के आईपीओ को रद करने का आदेश सीधा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से आया था। इसके बाद जैक मा से क्रिसमस की पूर्व संध्या पर कहा गया कि वह तब तक चीन से बाहर न जाएं जब तक कि उनके अलीबाबा ग्रुप के खिलाफ चल रही जांच को पूरा नहीं कर लिया जाता है। इसके बाद जैक मा अपने टीवी शो 'अफ्रीका बिजनेस हीरोज' से नवंबर में फाइनल से ठीक पहले रहस्यमय तरीके से लापता हो गए। यही नहीं शो से उनकी तस्वीर को भी हटा दिया गया। अलीबाबा समूह के प्रवक्ता ने कहा कि जैक मा सिड्यूल के विवाद के कारण अब जजों के पैनल के हिस्सा नहीं हैं। हालांकि इस शो के फाइनल से कई सप्ताह पहले ही जैक मा ने ट्वीट करके कहा था कि वह सभी प्रतिभागियों से मुलाकात की प्रतीक्षा नहीं कर सकते हैं। इसके बाद से उनके तीन ट्विटर अकाउंट से कोई पोस्ट नहीं किया गया है। इससे पहले वह लगातार ट्वीट करते रहते थे। चीन में आवाज को दबाए जाने वाले जैक मा पहले ऐसे शख्स नहीं हैं।

अभिभावक की स्वीकृति के बिना भी नाम बदल सकती हैं महिलाएं

रियाद। महिलाओं के लिए बेहद सख्त कानूनों वाला इस्लामी देश सउदी अरब में तेजी से स्थिति में बदलाव आ रहा है। हालिया बदलाव के तहत महिलाओं को यह अधिकार दिया गया है कि वे अपने अभिभावक की स्वीकृति के बिना भी नाम में बदलाव कर सकती हैं। पहले इसके लिए घरवालों की इजाजत जरूरी थी। सउदी अरब के गृह मंत्रालय ने रविवार को इसकी जानकारी दी। नए कानून के तहत अब सउदी अरब में कोई महिला या पुरुष नाम सहित खुद से जुड़े अहम डेटा में बदलाव करा सकता है। पहले सिर्फ पुरुषों को अधिकार था कि वे घर के गार्जियन की अनुमति के बिना ऐसा कर सकें। अब यह अधिकार महिलाओं को भी दे दिया गया है। सउदी अरब ने देश में महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए हाल के समय में कई बदलाव किए हैं।

इराक के तहरीके स्कवायर में विरोध प्रदर्शन के दौरान तैनात सुरक्षाकर्मी।

नैनो न्यूज

पाक सेना के खिलाफ अपमानजनक बयान देने वालों के विरुद्ध 72 घंटे में दर्ज होगा केस: गृह मंत्री शेख राशिद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सत्तारूढ़ इमरान खान सरकार पर सेना की कठपुतली होने के आरोप लगने के बाद यहां के गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने देश में प्रदर्शन कर रहे विपक्षी दलों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि देश की सेना के खिलाफ अपमानजनक बयान देने वाले लोगों के खिलाफ 72 घंटे के अंदर मामले दायर किए जाएंगे। पाकिस्तान के 11 विपक्षी दलों के गठबंधन 'पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट' (पीडीएम) ने पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तान की सेना की और राजनीतिक मामलों में उसकी दखलंदाजी की कटु आलोचना की है। पीडीएम का आरोप है कि सेना ने 2018 में ÷धांधली वाले चुनाव में 'कठपुतली' प्रधानमंत्री इमरान खान को पद पर बैठाया। गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने शनिवार को अपने गृहनगर रावलपिंडी में बयान दिया। उनके हवाले से एक अखबार ने लिखा, ÷सशस्त्र बलों के खिलाफ खराब भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों के खिलाफ 72 घंटे में मामले दायर किए जाएंगे।÷ इससे एक दिन पहले ही पीडीएम प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कहा था कि सशस्त्र बलों ने देश को बंधक बना लिया है। पीडीएम प्रमुख फजलुर रहमान ने कहा कि पीडीएम के भीतर गतिरोध की बात गलत है। उन्होंने यह भी कहा है कि इमरान खान और उनकी नाजायज सरकार से देश को छुटकारा दिलाने के लिए पीडीएम दृढ़ है। उन्होंने शुक्रवार को कहा था कि विपक्ष का आंदोलन अब केवल प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार पर ही नहीं बल्कि 'उनके समर्थकों' के खिलाफ भी होगा।

ज्योतिषी सामिया खान ने इमरान खान को किया आगाह, बिलावल-मरियम नए साल में पलट सकते हैं सत्ता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की मशहूर और चर्चित ज्योतिषी सामिया खान ने पीएम इमरान खान को आगाह करते हुए भविष्यवाणी की और कहा कि नए साल वे सियासत की उबड़-खाबड़ पिच पर संभलकर बैटिंग करें, नहीं तो बोल्ड हो सकते हैं। ज्योतिषी सामिया खान ने कहा कि वर्ष 2021 जहां पीएम इमरान खान के लिए उतार-चढ़ाव भरा हो सकता है, पीपीपी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी और पीएमएल एन नेता मरियम नवाज शरीफ के सितारे चमकते नजर आ रहे हैं। सामिया खान ने कहा कि बिलावल के सितारे चमक रहे हैं और वहीं उनकी बहन आसिफ भुट्टो जरदारी पीपीपी के वापसी का मजबूत संकेत बनेंगी। ज्योतिषि सामिया ने प्रधानमंत्री इमरान खान को सलाह दी कि वह अपने पत्ते बहुत संभालकर चलें। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान के लिए साल 2021 निर्णायक होने जा रहा है क्योंकि उनके सितारे बदलाव की ओर इशारा कर रहे हैं। ज्ञात हो कि पीडीएम के जलसों के जरिए बिलावल और मरियम लगातार इमरान खान पर जोरदार हमले बोल रहे हैं। अभी पिछले दिनों ही पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज ने कश्मीर में पाकिस्तान की करारी शिकस्त को लेकर पीएम इमरान खान नियाजी पर जोरदार हमला बोला था। मरियम ने कहा कि इमरान की मूर्खता और उनकी अक्षमता की वजह से कश्मीर नरेंद्र मोदी की गोद में चला गया। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान कश्मीर पर अपना दावा खोता है तो उससे पूरा देश जख्मी हो जाएगा। मरियम नवाज ने कहा कि इमरान खान अक्सर कहते हैं कि नवाज शरीफ मोदी का यार है लेकिन खुद उन्होंने कश्मीर को भारतीय प्रधानमंत्री के हाथों में गंवा दिया। मरियम ने कहा, 'जब देश में कमजोर प्रधानमंत्री होता है जो जनता के समर्थन और वोट से नहीं आया होता है और जब सरकार कमजोर होती है तब भारत जैसे शत्रु इस तरह का हमला करते हैं।' उन्होंने कहा कि यह इमरान खान की मूर्खता और अक्षमता थी कि कश्मीर नरेंद्र मोदी की गोद में चला गया।

मृत सागर में ड्रिलिंग के दौरान खतरनाक संकेत, इजरायल में आ सकता है खतरनाक भूकंप

लंदन। इजरायल के वैज्ञानिकों को मृत सागर में ड्रिलिंग के दौरान खतरनाक संकेत मिले हैं। उन्हें फॉल्ट लाइन पर तनाव दिखा है,इससे आशंका पैदा हो गई है कि आने वाले सालों में यहां भूकंप आ सकता है। धरती की बाहरी सतह पर टेक्टॉनिक प्लेटों में हलचल के कारण ये फॉल्ट लाइन पैदा होती हैं। तल अवीव यूनिवर्सिटी की टीम का कहना है कि भूकंप आने पर सैकड़ों लोगों की जान जा सकती है। हालांकि , यह नहीं पता लगाया जा सका है कि यह भूकंप कब आएगा। टीम का कहना है कि यहां रिक्टर स्केल पर 6.5 की तीव्रता का भूकंप आ सकता है जिससे कमजोर इमारतें गिरने और मजबूत इमारतों को नुकसान की आशंका है। रिसर्च में पता चला है कि हर 120-150 साल के अंतराल पर भूकंप आते ही हैं लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि यह 10 साल के अंदर हो जाएगा। पिछली बार 6.2 का भूकंप डेड सी में 1927 में आया था जिसमें 500 लोगों की मौत हो गई थी और 700 से ज्यादा घायल हो गए थे। इसका असर जॉर्डन, जेरूसलम, बेथलेहम और जाफ्फा में देखा गया था। डेड सी सीस्मिया-अफ्रीका रिफ्ट के पास स्थित है। रिसर्चर्स ने डेड सी में कई सौ मीटर तक ड्रिलिंग कर धरती की सतह को स्टडी किया है जिससे पता चल सके कि पिछले 2.2 लाख साल में कब-कब भूकंप आए हैं।

यूएन रोहिंग्या रिजॉलूशन के खिलाफ मतदान करने वाले देश निभा सकते हैं बेहतर भूमिका : मोमेन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन ने कहा है कि शांति के बगैर विकास संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि रूस और चीन समेत कई देश जिन्होंने 75वें संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में पारित मुस्लिम रोहिंग्या और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ मानवाधिकार उल्लंघनों की निंदा करने वाले एक प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया है, वे बेहतर भूमिका निभा सकते हैं। इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट देने वाले देशों में चीन और रूस के अलावा बेलारूस, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, फिलीपींस, वियतनाम और जिंबाब्वे शामिल हैं।

193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र के कुल 134 देशों ने इसके पक्ष में वोट दिया और 9 देशों ने इसके विरोध में, जबकि 28 देश अनुपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि हम उनसे नाराज नहीं हैं। यह रणनीतिक फैसला है। हम रिजल्ट से खुश हैं। हमें इस बात की खुशी है कि उन्होंने फैसले के ऐलान से पहले हमसे बात की। इससे पहले भी विदेश मंत्री ने रोहिंग्या मुसलमानों के प्रत्यावर्तन में देरी की वजह म्यांमार को बताया था, साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस बाबत म्यांमार पर दवाब बनाने की अपील की थी। उन्होंने कहा हम इस समस्या के समाधान के लिए द्विपक्षीय, तिपक्षीय और बहुपक्षीय स्तर पर प्रयास कर रहे हैं।

31 दिसंबर 2020 को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने म्यांमार में मुस्लिम रोहिंग्या और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ मानवाधिकार उल्लंघनों की निंदा करने वाले एक प्रस्ताव को पारित किया गया। इस प्रस्ताव में म्यांमार से मुस्लिम रोहिंग्या और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत को बढ़ावा देने से रोकने का अनुरोध भी किया गया। बौद्ध बहुल देश में 2017 में सेना की कार्रवाई के दौरान हजारों रोहिंग्या मारे गए और सात लाख से अधिक को भागकर पड़ोसी देश बांग्लादेश में शरण लेनी पड़ी। 16 जनवरी 2018 को दोनों देशों ने व्यवस्था को लेकर कागजात पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके अनुसार रोहिंग्या की स्वदेश वापसी कराने को लेकर सुविधाएं मुहैया करानी थी। तीन साल से अधिक समय पहले म्यांमार आर्मी ने रोहिंग्या समुदाय पर हमला किया लोगों को मारा, दुष्कर्म किए और उनके गांवों को जला दिया। इसे यूएन ने जातिगत नरसंहार बताया। उस वक्त8 लाख से अधिक रोहिंग्याओं ने बांग्लादेश में शरण ली थी। बांग्लादेश और म्यांमार ने 23 नवंबर 2017 को प्रत्यावर्तन समझौते पर हस्ताक्षर किया था। रोहिंग्या संकट के समाधान के लिए बांग्लादेश हर संभव कोशिश कर रहा है। इसने एसियान सदस्य देशों व जापान चीन रूस भारत समेत म्यांमार के सहयोगी देशों से गैर सैन्य पर्यवेक्षकों की तैनाती का भी प्रस्ताव दिया है।

बलूचिस्तान में एक और हमला, 11 पाकिस्तानी कोयला खनिकों की गोली मारकर हत्या

कराची। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में एक बार फिर भीषण हमला किया गया। बंदूकधारियों ने अपहरण करने के बाद कम से कम 11 कोयला खनिकों की गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के मुता?बिक पुलिस का कहना है कि अपने काम पर जा रहे इन खनिकों का अज्ञात बंदूकधारियों ने अपहरण कर लिया और माछ इलाके में पास की पहाड़ियों पर ले जाकर उन्हें गोली मार दी। इससे पहले पाकिस्तान के 7 सैनिकों की बलूच विद्रोहियों ने हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार इनमें से छह खनिकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा गंभीर रूप से घायल पांच अन्य की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस, फ्रंटियर कोर और जिला प्रशासन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री जाम कमाल खान ने इस घटना की निंदा की है और संबंधित अधिकारियों से जांच रिपोर्ट मांगी है। इससे पहले पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के हरनाई में स्थित फ्रंटियर कोर के शारिग पोस्ट पर हुए भीषण हमले की जिम्मेदारी विद्रोही गुट बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली थी। बीएलए ने अपने बयान में चेतावनी दी कि कोहलू-कहान रोड को अगर बनाया गया तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। बलूच संगठन ने कहा कि इस रोड को बलूचों के राष्ट्रीय हित के खिलाफ पाकिस्तान के पंजाबी बना रहे हैं और उन्हें पाकिस्तानी सेना संरक्षण दे रही है। बीएलए के इस हमले में 7 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे। बीएलए की ओर से सोशल मीडिया पर जारी तस्वीरों में नजर आ रहा है कि हमले के दौरान पाकिस्तानी सैनिकों के कपड़े उतार लिए गए और उनके हथियार तक को छीन लिया गया था। बीएलए ने कहा कि उसने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर कोहलू-कहान रोड को बनाया गया तो इसका बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए सेना की मदद से इस सड़क को बना रही पाकिस्तानी कंपनियों को निर्माण कार्य बंद कर देना चाहिए। बीएलए ने कहा कि बलूचों के राष्ट्रीय संपदा को लूटने का इरादा रखने वाली पाकिस्तानी ताकतों के खिलाफ बलूचिस्तान की आजादी तक संघर्ष जारी रहेगा। उसने चेतावनी दी कि पाकिस्तानी सेना के खिलाफ इस तरह के हमले आगे भी जारी रहेंगे।

चीन की सिनोवैक फरवरी में थाईलैंड को देगी कोरोना वैक्सी की 200,000 डोज

बैंकॉक। चीन की सिनोवैक बायोटेक फरवरी में बैंकाक को पहली कोरोना वैक्सीन उपलब्ध कराएगी। बैंकाक के अधिकारियों ने बताया कि देश में स्थानीय स्तर पर 200 मिलियन खुराक का उत्पादन करने की क्षमता है। प्रधानमंत्री युत चान-ओचा ने कहा कि थाईलैंड, अपनी 70 मिलियन आबादी में से आधी आबादी का टीकाकरण करेगा। उन्होंने बताया कि सिनोवैक वैक्सीन की 200,000 खुराक फरवरी तक मिल जाएंगी। प्रधानमंत्री युत चान-ओचा ने बताया कि सिनोवैक से दो मिलियन खुराक का ऑर्डर दिया गया है। युत ने अपने एक ट्वीट में कहा कि मैंने वैक्सीन को लेकर रास्ता तैयार किया है और उम्मीद है कि 1-2 महीनों के भीतर हम लगभग 200,000 खुराक के लिए चिकित्सा पेशेवरों के लिए पहली खेप प्राप्त करेंगे। दक्षिण पूर्व एशियाई देश ने सोमवार को 745 मामलों के साथ संक्रमण में अपनी सबसे बड़ी एकल-दिन वृद्धि की सूचना दी, जिसमें लोगों से घर में रहने और इससे सख्त राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की आवश्यकता से बचने का आग्रह किया गया है। वहीं, रविवार को चिकित्सा विज्ञान विभाग के महानिदेशक सुपकीत सिरिलक ने कहा सिनोवैक वैक्सीन की और 800,000 खुराकें मार्च तक आ जाएंगी और अप्रैल में एक मिलियन। नवंबर में थाईलैंड ने एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की 26 मिलियन खुराक के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे स्थानीय फर्म सियाम बायोसाइंस द्वारा उत्पादित किया जाएगा।

टोयो ो साल के पहले कारोबारी दिवस कोरोना वायरस से बचने ास्क लगाकर प्रार्थना करते हुए लोग।

इटली में नया साल में होने लगी मरे पक्षियों की बारिश, सहमे लोग

रोम। साल 2020 के खौफनाक अनुभव से जूझने के बाद कोरोना वायरस महामारी के बीच साल 2021 लोगों लिए नई उम्मीदें लेकर आया। दुनिया जब नए साल के जश्न में डूबी हुई थी उस समय इटली में अचानक आसमान से मरे हुए पक्षियों की बारिश होने लगी और लोग सहम गए। दरअसल इटली के शहर रोम में नए साल के स्वागत में आकाश में जमकर आतिशबाजी की गई, जिसके शिकार हवा में उड़ रहे पक्षी हो गए। हालत यह हो गई कि रोम की सड़कें मरे हुए पक्षियों के शव से पट गईं। हवा में गोते लगाने वाले इन पक्षियों की सड़क पर पड़ें शवों को देखकर पशु प्रेमियों की आंखें भर आईं। वहीं कई लोग नए साल की शुरूआत पर अपशगुन की आशंका से सहम गए। नए साल के स्वागत में रोम की सड़कों पर जोरदार आतिशबाजी की गई और जमकर पटाखे फोड़े गए। इस जोरदार आतिशबाजी का शिकार उस समय वहां मौजूद पक्षी हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आतिशबाजी की वजह से इन पक्षियों को हार्ट अटैक आ गया और उनकी मौत हो गई। हजारों की तादाद में छोटे-छोटे पक्षियों की लाशें रोम शहर के कई हिस्सों में देखी गईं। इटली के अधिकारियों ने लोगों से पशुओं का ध्यान रखने के लिए कहा था लेकिन नए साल के जश्न के आगे लोग सब भूल गए और हजारों की तादाद में पक्षियों की जान चली गई। रोम की घटना का एक वीडियो काफी शेयर किया जा रहा है जिसमें एक व्यक्तिकह रहा है कि यह इंसान की प्रकृति का सबसे घृणित पक्ष है। इस आतिशबाजी की वजह से हजारों की तादाद में पक्षी मर गए। अविश्वसनीय, देखो ये कितने ज्यादा हैं।' यह घटना रात के करीब 12 बजकर 40 की है।पशुओं के संरक्षण के लिए काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन का कहना है कि आतिशबाजी की वजह से वहां अपने घोसले में मौजूद पक्षी उड़ने को मजबूर हो जाते हैं। संगठन की एक प्रवक्ता ने कहा कि ऐसा हो सकता है कि ये पक्षी डर की वजह से मर गए हों। उन्होंने कहा कि पक्षी एक साथ उड़ सकते हैं और खिड़की तथा इलेक्ट्रिक पॉवर लाइन से टकरा सकते हैं। यह नहीं भूलना चाहिए कि वे हार्ट अटैक से मर सकते हैं।

117वीं यूएस कांग्रेस का गठन शुरू फिर स्पीकर बनीं नैंसी पेलोसी, सीनेट के नए सदस्यों ने ली शपथ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 117वीं कांग्रेस का गठन किया जा रहा है, जिसके मद्देनजर हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट के सत्र आयोजित किए गए। अमेरिकी कांग्रेस के उच्च सदन सीनेट के लिए चुने गए नए सदस्यों को रविवार को कैपिटल हिल में शपथ दिलाई गई। कांग्रेस के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में डेमोक्रेटिक पार्टी के 222 सदस्य हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के 211 सदस्य हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की सदस्य नैंसी पेलोसी को अमेरिकी संसद के लिए दोबारा प्रतिनिधि सभा की स्पीकर चुना गया।

नैंसी पेलोसी (80) को 216 और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी केविन मैक्कार्थी को 209 मत मिले। सदन के अधिकारी ने बताया कुल 427 वोट डाले गए। इनमें से सीनेटर टैमी डकवर्थ और सांसद हकीम जेफरीज को एक-एक वोट मिला। आंकड़ों के अनुसार, छह डेमोक्रेटिक सांसदों ने पेलोसी को वोट नहीं दिया, जबकि सभी 209 रिपब्लिकन के वोट कांवन के पक्ष में पड़े, जो अब सदन में अल्पमत के नेता हैं। इस बीच सीनेट के रिपब्लिकन पार्टी 11 सदस्य राष्ट्रपति चुनाव के इलेक्टोरल कॉलेज के फैसले को चुनौती देने की योजना बना रहे हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन की चुनाव में जीत की पुष्टि करने के लिए छह जनवरी को कांग्रेस का संयुक्त सत्र बुलाया जाएगा जिसमें यह सभी 11 सदस्य अपनी मांग करेंगे। संयुक्त सत्र में इलेक्टोरल कॉलेज के वोटों की पुष्टि की जाएगी। उपराष्ट्रपति माइक पेंस इस सत्र की अध्यक्षता करेंगे। इसमें प्रत्येक प्रांत के इलेक्टोरल कॉलेज के वोट की गिनती की जाएगी। राष्ट्रपति चुनाव के 14 दिसंबर को जारी आधिकारिक परिणामों के मुताबिक डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बिडेन को 306 इलेक्टोरल वोट मिले हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रम्प को 232 वोट मिले हैं। डोनाल्ड ट्रंप चुनाव में अपनी हार मानने से इंकार करते रहे हैं। गौरतलब है कि बाइडेन 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। अमेरिकी प्रतिनिधिसभा में 435 सदस्यों को मतदान करने को अधिकार है, जबकि छह ऐसे सदस्य हैं, जो मतदान नहीं कर सकते। पेलोसी को हालांकि मामूली अंतर से जीत मिली है, लेकिन 2014 की तुलना में उन्हें इस बार दो वोट अधिक मिले। इसके बाद ही पेलोसी ने बतौर स्पीकर यह उनका आखिरी कार्यकाल होने की घोषणा भी कर दी। मानवाधिकार मुद्दों की बड़ी समर्थक पेलोसी ने चुने जाने के बाद कहा कि नई संसद की शुरुआत बड़े चुनौतीपूर्ण समय में हो रही है। पेलोसी ने कहा वैश्विक महामारी और आर्थिक संकट से हरेक समुदाय बुरी तरह प्रभावित हैं और 3,50,500 लोग मारे गए हैं। हमारे दिलों में हर एक के लिए दर्द है, दो करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं, लाखों लोग बेरोजगार हुए हैं। पेलोसी ने कहा कि 117वीं संसद अमेरिकी इतिहास की सबसे विविध संसद होगी, क्योंकि महिलाओं को मतदान का अधिकार मिलने के करीब 100 साल बाद यहां रिकॉर्ड 122 महिलाएं चुनकर पहुंची हैं।

अमेरिका- टेक्सास में गिरजाघर में फायरिंग, एक शख्स की मौत, संदिग्ध को गिरफ्तार

विनोना, अमेरिका। अमेरिका के पूर्वी टेक्सास प्रांत में संडे की सुबह एक गिरजाघर में हुई फायरिंग में एक शख्स की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्मिथ काउंटी पुलिस कार्यालय के अधिकारी लैरी क्रिश्चियन ने बताया कि घटना विनोना के निकट स्टारविले मेथडिस्ट गिरजाघर में हुई।उन्होंने बताया कि गोलीबारी के बाद फरार हुए संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस को सुबह करीब नौ बजकर 20 मिनट पर गोलीबारी के बारे में सूचना मिली थी।

ट्रंप के चुनाव अधिकारी को फोन करके चुनाव परिणाम 'बदलने' के दबाव डालने का ऑडियो वायरल

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में मतगणना के दौरान पराजय की ओर संकेत के बाद जॉर्जिया के शीर्ष चुनाव अधिकारी को फोन करके चुनाव परिणाम 'बदलने' के फोन करके दबाव डाला था। ट्रंप ने चुनाव अधिकारी से कहा कि वह इस दक्षिणी राज्य में उनकी हार को जीत में बदलने के लिए पर्याप्त वोटों की 'तलाश' करें। अमेरिकी मीडिया में इस फोन कॉल का ऑडियो वायरल होने के बाद सियासी तूफान आ गया है और इसकी तुलना वॉटरगेट कांड से हो रही है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुनाव में हार के बाद से लगातार यह दावा कर रहे हैं कि जो बाइडन के हाथों उनकी हार बड़े पैमाने पर वोटों की गड़बड़ी की वजह से हुई है। ट्रंप के इस दावे को राज्यों और संघीय चुनाव अधिकारी तथा कई अदालतों ने खारिज कर दिया है। ट्रंप ने जॉर्जिया के सेक्रटरी ऑफ स्टेट और रिपब्लिकन नेता ब्राड रफेनस्पेर्गर को यह फोन कॉल ऐसे समय पर किया था जब अमेरिकी कांग्रेस में उनके कुछ सहयोगियों ने बाइडन के जीत का औपचारिक प्रमाण पत्र देने का विरोध करने का फैसला किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडन को 306 और ट्रंप को 232 वोट मिले थे। यही नहीं बाइडन को ट्रंप के मुकाबले 70 लाख ज्यादा पॉप्युलर वोट मिले थे। अमेरिकी मीडिया में आए ऑडियो में ट्रंप बार-बार ब्राड रफेनस्पेर्गर पर इस बात के लिए दबाव डाल रहे हैं कि वह बाइडन की बजाय उन्हें विजेता घोषित करें। ट्रंप ने कहा, 'मैं बस यही चाहता हूं कि आप इसे करो। मैं केवल 11,780 वोटों की तलाश करना चाहता हूं, यह जो हमारे पास है, उससे ज्यादा है।' ट्रंप ने कहा, 'आप जानते हो कि यह कहने में कोई गलत नहीं है कि आपने वोटों की फिर से गणना की है।' जॉर्जिया में तीन बार बैलट की गिनती की गई थी जिसके परिणाम स्वरूप बाइडेन के जीत के दो बार परिणाम आए। अंतिम परिणाम में जो बाइडन 11,779 से ज्यादा वोटों से जीत गए थे।

संक्षिप्त समाचार

राज्यमंत्री का का स्वास्थ्य खराब जिला अस्पताल में कराया भर्ती

अशोकनगर। मध्य प्रदेश के पीएचई मंत्री एवं मुंगावली से बीजेपी विधायक बृजेंद्र सिंह यादव का सोमवार सुबह 5 बजे अचानक दर्द होने के कारण जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, सोमवार सुबह अचानक मंत्री बृजेंद्र सिंह यादव की तबियत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जिला चिकित्सालय के आईसीयू के प्राइवेट वार्ड में भर्ती मंत्री की तबियत अब सामान्य है और डॉक्टरों ने उनका उपचार शुरूकर दिया है। साथ ही अचानक हुए पेट दर्द के बाद उनकी कुछ जांच भी की जा रही है। मंत्री बृजेंद्र यादव ने बताया कि सुबह करीब 5 बजे के आसपास उन्हें अचानक बहुत तेज पेट दर्द हुआ। जो असहनीय स्थिति तक पहुंच गया। इसके बाद उन्होंने अपने स्तर पर गैस की समस्या मान कर अपना प्राथमिक उपचार के लिये गैस की गोली भी खाई, मगर जब पेट दर्द होना बंद नही हुआ और बढ़ता ही चला गया, जिसके बाद उन्हें जिला चिकित्सालय में आकर भर्ती होना पड़ा। मंत्री यादव का कहना है कि जीवन में कभी इतना तेज पेट दर्द उनको नहीं हुआ ।इसी वजह से जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए आना पड़ा है। डॉक्टरों नें कुछ जांचो के लिये कहा है जो कराई जा रही है।

बिकलांग के साथ हुये दुष्कर्म के दोषियों को सजा दिलाने सौंपा ज्ञापन

अशोकनगर। मध्यप्रदेश के सिंगरोली जिले मे हुए बिकलंग बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद आंखें निकालने के बिरोध में जिले के मध्य प्रदेश बिकलांग अधिकारी मंच संगठन के विकलांग लोगो ने कलेक्टेट कार्यालय मैं एकत्रित होकर बिकलांग बालिका के साथ दुष्कर्म करने बाले आरोपी को सत्य सजा दिलाने एवं पीडित बालिका को 10 लाख रूए की आर्थिक सहायता की मांग की। विकलांग बालिका के साथ हुए अपराध को लेकर आरोपी को सजा दिलाने व आर्थिक सहायता दिलाने की मांग को आए विकलांग लंबे समय तक कलेक्ट्रेट के गेट पर खड़े होकर प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन देने के लिए इंतजार करते रहे परंतु जब कोई अधिकारी नहीं पहुंचे तब सभी विकलांग जिले के अधिकारियों को ज्ञापन देने कलेक्ट्रेट पर द्वितीय तल पर लिफ्ट का सहारा लेकर जाना चाहते थे परंतु जब उन्होंने जाकर देखा तो लिफ्ट खराब होने की स्थिति में और लंबे समय तक लिफ्ट पर बाहर इंतजार करते रहे तब जाकर प्रशासनिक अधिकारी ने आकर विकलांगों से ज्ञापन लिया। ज्ञापन के माध्यम से मध्य प्रदेश विकलांग अधिकारी मंच संगठन के लोगों ने बताया कि इस प्रकार की घटना से हम सभी विकलांगों में रोष है एक और पैर भी बना हुआ है प्रकार से उन्होंने पीडित परिवार को सहायता दिलाने एवं दोस्ती को कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

कोरोना हेल्थ बुलेटिन

अशोकनगर। जिले में अब तक कोविड-19 के 1102 प्रकरण हैं। कोविड 19 से होने वाली मृत्यु 17 हैं। जिले में अब कोविड-19 कोरोना के 35 एक्टिव केस हैं। जिसमें अशोकनगर में 19 तथा 16 मरीज अन्य जिलों में भर्ती हैं। अब तक कुल स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या 1050 है। जिले में कोरोना वायरस संक्रमण से संबंधित अब तक 46589 सैम्पल जांच हेतु लिए गए। लिए गये सैम्पलों मे से कुल 46445 सैम्पलों की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। जिसमें कुल 1102 पॉजिटिव, 45058 निगेटिव, 201 रिजेक्ट तथा 84 रिपीट पॉजिटिव मरीज शामिल हैं। सोमवार को 165 सैम्पल जांच हेतु लिये है। आज दिनांक को 227 रिपोर्ट प्राप्त हुई है। प्राप्त रिपोर्ट में 2 पॉजिटिव, 224 सेम्पलों की रिपोर्ट नेगेटिव तथा 1 सेम्पल की रिपोर्ट रिपीट पॉजीटिव प्राप्त हुई है।

बिना लक्षण और मामूली लक्षण वाले कोरोना पाजेटिव मरीजों के लिए बनाये गये

बालाघाट । प्रदेश में कोरोना संक्रमितों के किए उपचार के लिए की गई सभी व्यवस्थाएं पहले की तरह यथावत चल रही हैं। संयुक्त संचालक स्वास्थ्य एवं कोविड-19 की व्यवस्थाओं की नोडल अधिकारी डॉ. वीणा सिन्हा ने बताया कि बिना लक्षण और मामूली से मामूली लक्षणों वाले कोरोना पाजीटिव की देखरेख के लिए बनाए गए कोविड केयर सेंटर में पहुंचने वालों की संख्या न के बराबर होने से यह सेंटर लगभग खाली हो गए। ऐसी स्थिति में अब कोविड केयर सेंटर चालू रखना का कोई ओचित्य नहीं रहा और इन सेंटर को चालू बनाए रखने की आवश्यकता नहीं है। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि भोपाल में स्थित कोविड-केयर सेंटर को छोड़कर राज्य के अन्य जिलों में बनाए गए कोविड-केयर सेंटर को इस शर्त के साथ बंद किया जाए कि जब इनकी जरूरत और उपयोगिता हो तब जिला कलेक्टर राज्य स्तर से अनुमति प्राप्त कर फिर से चालू कर सकें। उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमितों के उपचार के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं हैं और सभी व्यवस्थाएं पहले की तरह यथावत संचालित हैं।

सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए दिव्यांग बच्चो के शिविर

बालाघाट। कलेक्टर एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला मिशन संचालक दीपक आर्य के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती उमा महेश्वरी के मार्गदर्शन मे सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत विशेष आवष्यकता वाले बच्चो के औपचारिक पहचान, चिकित्सीय मूल्यांकन एवं सुधारात्मक षल्य चिकित्सा आदि हेतु एक दिवसीय विकासखण्ड स्तरीय शिविर दिनॉक 17 से 29 दिसंबर 2020 तक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। इस आयोजन को सफल बनाने में भारतीय कृतिम अंग निर्माण निगम (एलिमको) जबलपुर एवं जिला मेडिकल बोर्ड का सराहनीय सहयोग रहा। तत्सबंध मे सहायक परियोजना समन्वयक श्रीश थानथराटे द्वारा बताया गया कि इन शिविर मे जिन बच्चो के पास चिकित्सीय प्रमाण पत्र नही थे उन्हे शिविर स्थल मे ही प्रमाण पत्र प्रदाय किये गये एवं चिकत्सीय प्रमाण पत्रो का नवीनीकरण किया गया तथा जिले में कुल 1822 विशेष आवष्यकता वाले बच्चे शिविर मे उपस्थित हुए एवं एलिमको के माध्यम से 765 बच्चे उपकरण हेतु चिन्हांकित किये गये। जिला परियोजना समन्वयक पी एल मेश्राम द्वारा अवगत कराया गया कि शिविर के द्वितीय चरण में एलिमको द्वारा आगामी माह में उपकरण भेजने के उपरांत उक्तचयनित 765 लाभार्थियो को प्रत्येक विकासखण्ड में उपकरण प्रदाय किये जावेगें।

सराफा एसोसिएशन को सौंपी जिला अस्पताल को नम्बर वन बनाने की जिम्मेदारी

अशोकनगर, एजेंसी। जिला अस्पताल को नंबर वन अस्पताल बनाने के लिए प्रशासन की निगरानी में सामाजिक संगठनो को दायित्व सौंपा गए हैं । 21 दिसंबर से ग्रेन मार्केट एसोसिएशन को दायित्व पर गए थे जिसमें ग्रेन मार्केट एसोसिएशन अस्पताल को नंबर वन बनाने कई कार्य किए। सोमवार को ग्रेन मार्केट एसोसिएशन द्वारा अस्पताल परिसर में एसडीएम के समक्ष मसाल देकर सराफा एसोसिएशन को अस्पताल की जिम्मेदारी सौंप दी है। अब अस्पताल की जिम्मेदारी सराफा एसोसिएशन की है।

ग्रैन मार्चंट एसोसिएशन द्वारा कई कार्य किए गए जिला अस्पताल के वार्डों के सभी रोगियों को 2 दिन फल वितरण किए। अस्पताल में लंबे समय से कई जगह लाइट की व्यवस्था खराब पड़ी थी उसे दुरस्त कराई जिनमें अस्पताल प्रांगण में ओपीडी में गलियारों में रोशनी के पॉइंट पर अस्पताल प्रबंधक के सहयोग से सभी जगह लाइट व्यवस्था कराई अब अस्पताल में कहीं भी अंधेरा नहीं है अस्पताल में दोपहिया और चार पहिया वाहनों की पार्किंग व्यवस्था सही नहीं थी

जिसके कारण अव्यवस्था से एंबुलेंस को आने में कठिनाई होती थी। अस्पताल में उचित पार्किंग व्यवस्था की गई अस्पताल के बाहर पानी के दो वाटर कूलर लगे थे उन्हें दोबारा दुरस्त कराएं। जिला अस्पताल में बने दो भवनों में कबाड़ सामान भरे पड़े थे उन सामानों को बाहर निकालकर जिनमें कई टूटे स्ट्रेचर एवं कुर्सियां पड़ी हुई थी उनको दुरस्त कर मरीजों के लिए सुविधाएं योग्य बनाए, कबाड़ बाहर निकालकर अस्पताल के कमरों में व्यवस्थित की सबसे अधिक सर्जिकल वार्ड में मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता था क्योंकि सर्जिकल वार्ड के कमरों में कबाड़ भरा होने की स्थिति में मरीजों को गैलरी में भर्ती करते थे एसडीएम के निर्देशन पर ग्रेन मार्केट एसोसिएशन ने तीन चार कमरों की पार्टीशन फर्नीचर तोड़कर हॉल के रूप में परिवर्तित किया जिसमें महिला मरीजों को रखा जा रहा है। कवाड में पड़े सामान को जो उपयोगी है उसकी मरम्मत पर एक बार फिर से व्यवस्थीत किया जाएगा जिसमें 20 पलंग 64 कुर्सी 40 मरीजों के पास रखने वाली अलमारी स्टेचर की मरम्मत कराकर व्यवस्थित जमाया जाएगा।

एसोसिएशन के सदस्यों ने ब्लड डोनेट किया-

ग्रेन मार्केट एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने एवं एसडीम रवि मालवी द्वारा एक पखवाड़े में अस्ताल में काफी व्यवस्थाएं दुरस्त कराएं आगामी पखवाड़े के लिए सराफा एसोसिएशन को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। जिसमें एसडीएम रवि मालवी और ग्रेन मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार जैन द्वारा दिशा निर्देश दिए गए।

आईटीआई बैहर के प्राचार्य पर निलंबन की कार्यवाही

बालाघाट। जबलपुर संभाग के कमिश्नर बी चन्द्रशेखर ने पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति स्वीकृति में लापरवाही बरतने एवं आदिवासी वर्ग के 22 छात्रों को पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित करने के कारण शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बैहर के प्राचार्य बी आर कुर्वेती को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट रखा गया है।आईटीआई बैहर के प्राचार्य कुर्वेती द्वारा सीएम हेल्पलाईन में 300 दिनों से अधिक की लंबित छात्रवृत्ति संबंधी शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरती जा रही थी और उनका निराकरण नहीं किया गया था। प्राचार्य की लापरवाही के कारण आदिवासी वर्ग के 22 छात्रों को पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं हो सका है। इस पर कलेक्टर दीपक आर्य द्वारा प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया था। लेकिन उनके द्वारा नोटिस का कोई जवाब नहीं देने पर कलेक्टर द्वारा प्राचार्य कुर्वेती के निलंबन का प्रस्ताव जबलपुर संभाग के कमिश्नर को भेजा गया था।

03 जनवरी को 11 मरीज कोरोना पॉजिटिव आए 14 मरीजों को किया गया डिस्चार्ज

बालाघाट। 03 जनवरी 2021 को प्राप्त रिपोर्ट में बालाघाट जिले के 11 मरीजों के सैंपल कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। शासन के प्रोटोकाल के अनुसार 14 मरीजों के ठीक हो जाने पर उन्हें 03 जनवरी को डिस्चार्ज कर दिया गया है। इस प्रकार बालाघाट जिले में अब तक कुल 3051 मरीज कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं। इनमें से 2908 मरीज शासन के प्रोटोकॉल के अनुसार ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। 73 मरीजों का उपचार किया जा रहा है, 56 मरीजों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज छिंदवाड़ा रेफर किया गया है और 14 मरीजों की मृत्यु हो चुकी है। अन्य जिलों एवं राज्यों में बालाघाट जिले के 412 व्यक्ति कोरोना संक्रमित पाये गये है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज पांडेय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 03 जनवरी को बालाघाट जिले के 11 मरीजों के सैंपल कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं, इन मरीजों में खैरलांजी तहसील के ग्राम पिपरिया का 38 वर्षीय पुरुष, खैरलांजी की 14 वर्षीय बालिका, नगरीय क्षेत्र बालाघाट के वार्ड नंबर-33 के 40 वर्षीय दो पुरूष, ग्राम लालपुर का 26 वर्षीय युवक, शांति नगर लालबर्रा के 35 वर्षीय व 40 वर्षीय दो पुरुष व 35 वर्षीय महिला, परसवाड़ा तहसील के ग्राम समनापुर की 65 वर्षीय महिला व 68 वर्षीय पुरुष एवं वारासिवनी तहसील के ग्राम बनियाटोला-कायदी का 55 वर्षीय पुरूष शामिल है। कोरोना पाजिटिव पाए गए मरीजों के उपचार के लिए जिला प्रशासन बालाघाट द्वारा पर्याप्त संख्या में बेड का इंतजाम किया गया है। कोविड सेंटर गोंगलई बालाघाट, बैहर एवं लांजी में 575 बेड एवं आईटीआई के पीछे बुढ़ी बालाघाट में बनाए गए कोविड अस्पताल में आक्सीजन सुविधा युक्त 90 बेड का इंतजाम किया गया है। 04 जनवरी को शाम 06 बजे की स्थिति में कोविड केयर सेंटर के 575 में से 12 बेड मरीजों से भरे हैं । 01 मरीज को आक्सीजन युक्त आईसीयू वार्ड में रखा गया है।

बूंदाबांदी से बड़ी ठण्ड, घरों में दुबके लोग

अशोकनगर। सोमवार को हुई हल्की बारिश और बादलों ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। इससे ठिठुरन बढ़ गई है। बारिश और ठंड से सुबह में लोग घरों से बाहर नहीं निकले। बीते दिन आसमान में बादल छाए रहने व दिन के पारे में उछाल आने से सोमवार को शहर व कई ग्रामीण इलाकों में हल्की बूंदाबांदी शुरूहो गई है। सुबह के समय पर बूंदाबांदी का दौर शुरूहो गया लेकिन उसके बाद बंद होने से दोपहर 12 बजे से बूंदाबांदी एक बार फिर से शुरूहो गए जिसके कारण कड़ाके की ठंड पढ़ना शुरूहो गई है अचानक से मौसम ठंडा होने के कारण पारे में भी गिरावट दर्ज हुई है। इस समय अचानक से बारिश होने के कारण सबसे अधिक लाभ किसानों को होगा क्योंकि इस समय किसानों की रवि फसल में सिंचाई का समय चल रहा है सिंचाई के समय में किसानों को पानी की अति आवश्यकता होती है।

भारतीय मजदूर संघ जिला पदाधिकारीयों तहसीलों की बैठक संपन्न

अशोकनगर। फरवरी में होने वाले त्रैवार्षिक अधिवेशन की तैयारियो को लेकर भारतीय मजदूर संघ के जिला पदाधिकारीयो के द्वारा प्रवास बैठक की बैठको के दौरान पिपई तहसील और मुंगावली तहसील दोनो तहसीलो की नवीन कार्यकारिणीयों की घोषणा की गयी।

तहसील बैठको मे जिले के पदाधिकारी और प्रभारी उपस्थित रहे। बैठको कि अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष रामवीर सिंह रघुवंशी द्वारा कि गई बैठको मे त्रैवार्षिक अधिवेशन की तैयारियो को लेकर चर्चा की गई और बैठको मे आयोध्या राम मंदिर निर्माण मै सहयोग करने के लिए बैठको मे उपस्थित सभी के द्वारा सहयोग करने के लिए संकल्प लिया गया। संघ की बैठको में जिलामंत्री हरि सिंह रघुवंशी एवं तहसील प्रभारियो में पिपरई तहसील प्रभारी दौलत सिंह धाकड और मुगावली तहसील प्रभारी सीमा श्रीवास्तव कि उपस्थिति में घोषणा की गई। बैठको के दौरान राज्य कमचारी संघ के कार्यकारी जिलाध्यक्ष महेंद्र शर्मा, जिला सचिव महेंद्र रघुवंशी एवं जिला उपाध्यक्ष रघुवीर शर्मा के अलावा राज्य कर्मचारी संघ के ईसागड सचिव राजेश यादव अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे।

मंत्री कावरे ने दिखाई दिव्यांग युवक के प्रति संवेदनशीलता

बालाघाट । मध्यप्रदेश शासन के राज्य मंत्री आयुष (स्वतंत्र प्रभार) एवं जल संसाधन विभाग रामकिशोर ''नानो'' कावरे आज 04 जनवरी 2021 को बालाघाट विकासखंड के ग्राम नवेगांव मे नल-जल योजना के भूमिपूजन कार्यक्रम मे पहुँचे तो वहां पर एक दिव्यांग युवक मंत्री कावरे के समक्ष मदद की गहार लगाते पहुंच गया। मंत्री कावरे ने दिव्यांग युवक की स्थिति को देखते हुए उसे आश्वस्त किया कि उसे शीघ्र ही ट्रायसिकल प्रदान की जायेगी और यदि उसे विकलांग पेंशन नहीं मिल रही होगी तो वह भी दिलायी जायेगी। मंत्री कावरे ने मौके पर ही जनपद पंचायत बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया कि वे उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग से सम्पर्क कर दिव्यांग युवक को ट्रायसिकल दिलवायें। दिव्यांग युवक से पूछताछ करने पर पता चला कि वह खैरलांजी तहसील के ग्राम पिपरिया का निवासी दीनदयाल चौधरी है। युवक दोनों पैरों से चलने में सक्षम नहीं है। जनपद पंचायत बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गायत्री कुमार सारथी ने बताया कि दिव्यांग युवक चौधरी को ट्रायसिकल दिलाने के लिए जनपद पंचायत खैरलांजी को शीघ्र प्रकरण तैयार कर सामाजिक न्याय विभाग भेजने कहा गया है।

आयुष मंत्री कावरे ने नवेगांव, भमोड़ी, चिचगांव, खुरसोड़ी, नैतरा की 2.09 करोड़ रुपये की नलजल योजनाओं का शिलान्यास किया

बालाघाट। केन्द्र एवं राज्य की सरकारें आम जन एवं गरीबों के कल्याण के लिए निरंतर काम कर रही है। शासकीय सेवकों की जिम्मेदारी है कि वे शासन की योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचायें और सभी पात लोगों को उनका लाभ दिलायें।

गरीब, कमजोर एवं विकास की दौड़ में अंतिम छोर पर खड़े लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना एक तरह से जनसेवा और पुण्य का काम है। शासकीय सेवकों को मानव सेवा का यह पुण्य कमाने के लिए तत्परता से काम करना चाहिए। यह बातें मध्यप्रदेश शासन के राज्य मंत्री आयुष (स्वतंत्र प्रभार) एवं जल संसाधन विभाग रामकिशोर 'नानो' कावरे ने आज 04 जनवरी को जल जीवन मिशन योजनांतर्गत बालाघाट विकासखण्ड के ग्राम नवेगांव एवं खुरसोड़ी में 05 ग्रामों में बनने वाली 2 करोड़ 09 लाख 60 हजार रुपये की रेट्रोफिटिंग नल-जल योजना के भूमिपूजन कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कही। मंत्री कावरे ने ग्राम नवेगांव में आयोजित कार्यक्रम में नवेगांव की 41 लाख 48 हजार रुपये, भमोड़ी की 35 लाख 59 हजार रुपये, चिचगांव की 43 लाख 07 हजार रुपये एवं ग्राम खुरसोड़ी में आयोजित कार्यक्रम में खुरसोड़ी की 39 लाख 50 हजार रुपये एवं ग्राम नैतरा की 49 लाख 96 हजार रुपये की रेट्रोफिटिंग नल-जल योजना निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम खुरसोड़ी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 24 लाख रुपये की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का लोकार्पण भी किया। भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में बालाघाट एसडीएम के सी बोपचे, जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष जगल किशोर बम्बुरे, नवेगांव की प्रधान श्रीमती ललिता रणा, चिचगांव की प्रधान श्रीमती पुरवंता पांचे, भमोड़ी की प्रधान श्रीमती अनुसूईया धुर्वे, खुरसोड़ी के प्रधान रामप्रसाद राउत, राजेन्द्र सिह ठाकुर, देवीशंकर टेंभरे, महेश शरणागत, शांति लाल नगपुरे, संतोष लिल्हारे, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री अरूण श्रीवास्तव, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गायत्री कुमार सारथी, अन्य विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री कावरे ने इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र की जनता से उन्हें अपना प्रतिनिधि चुनकर मध्यप्रदेश शासन में मंत्री बनने का अवसर दिया है। इसके लिए वे इस क्षेत्र की जनता के आभारी है। परसवाड़ा क्षेत्र का प्रतिनिधि एवं मंत्री होने के नाते अब उनकी जिम्मेदारी है कि वे अपने इस क्षेत्र को विकास योजनाओं का भरपूर लाभ दें। उनके प्रयासों से परसवाड़ा क्षेत्र के 62 ग्रामों के लिए 27 करोड़ 40 लाख रुपये की रेट्रोफिटिंग नल-जल योजनाओं को मंजूरी मिली है। इतनी अधिक संख्या में रेट्राफिटिंग नल-जल योजनाओं के लिए किसी और विधानसभा क्षेत्र में मंजूरी नहीं मिली है। मंत्री कावरे ने कहा कि केन्द्र सरकार ने वर्ष 2024 तक हर घर में शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए नल कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा है। लेकिन हमने परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में इस लक्ष्य को वर्ष 2022 में ही हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इन योजनाओं के पूर्ण होने पर गांव के हर घर में पीने के लिए शुद्ध पेयजल मिलने लगेगा और महिलाओं को हेंडपंप पानी भरने के लिए जाने की जरूरत नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले हर घर में शौचालय बनवाने की योजना प्रारंभ की और अब हर घर में शुद्ध पेयजल पहुंचाने की योजना पर अमल किया जा रहा है। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नल-जल योजनाओं का निर्माण कार्य तय समय सीमा में गुणवत्ता के साथ करायें। किसी भी नल-जल योजना में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जायेगा। मंत्री कावरे ने कहा कि पटवारी, पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक को सप्ताह में दो दिन सोमवार एवं गुरूवार को अपने पंचायत के कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना है। यदि वे पंचायत कार्यालय में निर्धारित दिनों में उपस्थित नहीं रहेंगें तो उनके विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री अरूण श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में बताया कि ग्राम नवेगांव, भमोड़ी, चिचगांव, खुरसोड़ी एवं नैतरा में नल-जल योजना के अंतर्गत कुल 1331 घरों में नल-कनेक्शन दिया जाना है।

ओव्हर ब्रिज के गड्ढों के कारण उछल रहे दुपहिया वाहन

अशोकनगर, एजेंसी। ओव्हर ब्रिज पर हो रहे गड्ढों ने घर, दफ्तर, बाजार, स्कूल, कॉलेज जाने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है। ये मुश्किलें जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण आई हैं। ओव्हर ब्रिज की सडक़ खराब हो गई हैं, गड्ढों से पटी पड़ी है और इन गड्ढों के कारण वाहन चालक अनियंत्रित होकर गिर रहे हैं। जगह-जगह हो रहे गड्ढे और उनमें से निकल रहे सरिया दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण दे रहे हैं। बावजूद इसके जिम्मेदार लोकनिर्माण विभाग के अधिकारी ओव्हर ब्रिज की मरम्मत करने के लिए सचेत नजर नहीं आ रहे हैं।

विदिशा-अशोकनगर वायपास रोड़ को जोड़ने वाले ओव्हर ब्रिज की हालत दिनों दिन जर्जर होती जा रही है। ओव्हर ब्रिज को बने हुए दो दसक से अधिक का समय बीत चुका है। ब्रिज पर कांक्रीट और सीमेंट की सडक़ बनाई गई है। इसका मेंटीनेस करने का जिम्मा पीडब्लूडी के पास है। परन्तु विभागीय उदासीनता के कारण ओव्हर ब्रिज का मेंटीनेस ठीक-ठाक ढंग से नहीं किया जाता है, केवल फोरी तौर पर मेंटीनेंस करने के कारण ओव्हर ब्रिज में जगह-जगह गड्ढे हो रहे हैं। जबकि ओव्हर ब्रिज से प्रतिदिन हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं। इस कारण दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती है। क्योंकि वाहन चालक गड्ढों से बचने के लिए वाहन को आड़ा-तिरछा चलाते हैं। कई बार अंजान वाहन चालक गड्ढे में वाहन गिरा लेता है। जिससे वाहन उछल जाता है और चालक दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है तो कई बार वाहन चालक अचानक ब्रेक लगा देता है। जिससे पीछे आ रहा वाहन उसमें टक्कर मार देता है। ओव्हर ब्रिज में निर्माण के समय तकनीकी जरूरत के चलते दस से अधिक ज्वाइंट रखे गए थे। इन ज्वाइंटों के स्थान पर सबसे अधिक गड्ढे हुए हैं। इनमें से सरिया भी बाहर निकलने लगे हैं। ओव्हर ब्रिज पर दिन भर यातायात चलता है। आवागमन अधिक होने के कारण यहां दुर्घटना की आशंका भी अधिक रहती है। लोकनिर्माण विभाग द्वारा ओव्हर ब्रिज के गड्ढे भरने के लिए पेंचवर्क तो कराया जाता है लेकिन उसकी गुणवत्ता ठीक न होने के कारण यह जल्दी ही उखड़ जाता है। गनीमत की बात ये है कि अभी तक ओव्हर ब्रिज पर कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है। लेकिन अगर जल्द ही ब्रिज की मरम्मत नहीं की गई तो इस आशंका को भी टाला नहीं जा सकता। सबसे अधिक परेशानी दो पहिया वाहनों को आ रही है। चार पहिया वाहन तो इन गड्ढों में फसने के बाद संतुलन नहीं खोते हैं लेकिन दुपहिया वाहन के चालक गड्ढे में उतरने के बाद वाहन से नियंत्रण खो बैठते हैं।

धूल से भी दिक्कत-

ब्रिज से गुजरने वाले लोगों को गड्ढों के अलावा धूल की परेशानी भी उठानी पड़ रही है। पूरा ब्रिज धूल से पटा हुआ है। जब तब ओव्हर ब्रिज पर झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की जाती है तो धूल के ढेर ब्रिज पर ही छोड़ दिए जाते हैं। जिससे वह दौबारा से वहीं उड़ने लगती है। ओव्हर ब्रिज के एक साइड में गल्ला मण्डी स्थित है जहां व्यापारियों ने अनाज की सफाई के लिए मशीने लगा रखी हैं। अनाज की सफाई करते समय जो धूल उड़ती है वह ओव्हर ब्रिज पर पहुंच जाती है।

60228 किसानों से 462.57 करोड़ रुपये की 24.76 लाख क्विंटल धान की हुई खरीदी

बालाघाट । किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने एवं उन्हें बिचौलियों व दलालों के शोषण से बचाने के लिए शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए जिले में व्यापक इंतजाम किये गये है। जिले में 16 नवंबर 2020 से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी प्रारंभ हो गई है। 04 जनवरी 2021 तक जिले के 186 केन्द्रों पर 60 हजार 228 किसानों से 462 करोड़ 57 लाख 88 हजार 176 रुपये मूल्य की 24 लाख 76 हजार 332 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। अब तक किसानों को 190 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया गया है। इस वर्ष धान समर्थन मूल्य 1868 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। अधिकारियों द्वारा खरीदी केन्द्रों का सतत निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा जा रहा है। जिले में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान की बिक्री के लिए कुल एक लाख 18 हजार 404 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। इनमें से सभी किसानों को अपने केन्द्र पर धान लेकर आने के लिए एसएमएस भेजा जा चुका है। सभी खरीदी केन्द्रों पर बारदानों का पर्याप्त इंतजाम किया गया है। किसानों से खरीदी गई धान का तेजी से उठाव किया जा रहा है। खरीदी केन्द्रों से धान का उठाव कर गोदामों एवं कैप में पहुंचने पर किसानों के खाते में धान की राशि जमा कराई जा रही है। अब तक 19 लाख 34 हजार क्विंटल धान का खरीदी केन्द्रों से उठाव कर परिवहन कर लिया गया है और उसे गोदामों में पहुंचाया जा चुका है। जिले के सभी धान खरीदी केन्द्र प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वे शासन के निर्देशों एवं नियमों के अनुसार किसानों से धान की खरीदी करें। किसानों से एफएक्यू मापदंड के अनुसार ही धान की खरीदी करें। किसानों से खरीदे गये धान का तेजी से परिवहन करायें और किसानों का भुगतान तत्परता से करायें। इस वर्ष जिले में लगभग 04 लाख 88 हजार मेट्रिक टन धान के समर्थन मूल्य पर उपार्जन का लक्ष्य रखा गया है।

निशुल्क आयुष मेडिकल चेकअप एवं दवाई वितरण कैंप का आयोजन

संतोष सिंह भदौरिया रिपोर्टर चंबल संभाग

ग्वालियर / श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राजावत के निर्देशानुसार एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों के द्वारा निशुल्क आयुष मेडिकल चेकअप एवं दवाई वितरण कैंप का आयोजन किया गया जिसमें डॉक्टर दीपक तोमर हेल्थ ऑफिसर सेक्टर पनिहार डॉ सीमा तोमर मेडिकल ऑफिसर ग्वालियर डॉ दिलीप कुलश्रेष्ठ बीएएमएस हॉस्पिटल गुजरात इन सभी डॉक्टर की टीम के एवं सभी राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी एवं सदस्य द्वारा कॉलोनी चार शहर का नाका रोड ग्वालियर में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया यह कार्य केवल समाज से इतना ही यह हिंदू धर्म से जुड़े हुए सभी लोगों के लिए विशेष रूप से कार्य किया गया और समय-समय पर हम इस प्रकार के आयोजन करवाते रहते हैं पुरुषों के साथ-साथ श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा की महिला पदाधिकारियों द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया गया यह जानकारी श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा के प्रवक्ता वेद प्रकाश राजावत द्वारा दी गई ।

जिले बनाएं विकास योजना

प्रधानमंत्री की योजनाओं में मध्यप्रदेश बने अव्वल

भू-माफिया मुक्त बने प्रदेश, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिए कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस में निर्देश

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रत्येक जिले की पृथक विकास योजना बनाई जाए। आगामी एक अप्रैल से इसका क्रियान्वयन प्रारंभ होगा। नगरों के साथ ग्राम पंचायत स्तर पर भी विकास का प्लान बनाया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नागरिकों को विकास का पूरा लाभ दिलवाने के साथ ही अच्छी कानून व्यवस्था के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। जिला विकास योजना के निर्माण के साथ ही सुशासन, आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग, योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन, नागरिकों को समय पर आवश्यक सेवाएं देने, सुदृढ़ कानून व्यवस्था, सभी तरह के माफिया को नेस्तनाबूत करने की हमारी प्राथमिकता है। सभी कलेक्टर्स, कमिश्नर्स और शासन स्तर के अधिकारी इन लक्ष्यों के अनुकूल कार्य करते हुए परफार्म करें। अच्छा कार्य प्रदर्शन करने वाले ही पदों पर कायम रहेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज मंत्रालय में वर्चुअल कलेक्टर्स, कमिश्नर्स कान्फ्रेंस के प्रथम सत्र में कहा कि यह आवश्यक है कि राज्य में गुंडागर्दी, नक्सलवाद, तस्करी आदि की समाप्ति के लिए तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रयास हों। कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा मैदानी अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रारंभ योजनाओं के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश को अव्वल रहना है। हमारे प्रयासों की पराकाष्ठा होना चाहिए ताकि अच्छे परिणाम प्राप्त हों। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जरूरी, अंधी गली में नहीं चलना है मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश को हर योजना में नंबर वन रहना है। जिलों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होना चाहिए। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश को प्रधानमंत्री जी की योजनाओं में भी आगे रहना है। कलेक्टर्स भी स्थानीय स्तर पर जिले के विकास की योजनाएं बनाएं। हमें अंधी गली में नहीं चलना है। योजनाओं की नियमित मॉनीटरिंग हो। कमिश्नर और आई.जी. भी अपने अधिकार क्षेत्र में सभी कार्यों पर नजर रखें। विकास का वार्षिक प्लान तैयार करना है। एक अप्रैल से इस प्लान पर चलना है। हर माह समीक्षा होगी। इसी आधार पर जिले की रेटिंग होगी, विभागों की भी रेटिंग होगी। उन्होंने कहा कि हमें राजस्व भी बढ़ाना है। धनराशि की कमी का तर्क नहीं चलेगा। जिलों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

कोरोना वैक्सीन-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी जिले नागरिकों को कोरोना वैक्सीन लगाने की तैयारियां करें। सबसे पहले प्राथमिकता वाले समूह टीके लगवाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उन्होंने तय किया है कि वे पहले टीका नहीं लगवाएंगे। प्राथमिकता समूह को पहले इसका लाभ मिलना चाहिए। श्री चौहान ने कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि टीकाकरण के लिए स्वास्थ्य विभाग के अमले के प्रशिक्षण बाद आगे की प्रक्रिया को गति प्रदान करना है। टीकाकरण की व्यवस्था को लागू करने के लिए जिला स्तर के अमले को सक्रिय होना है।

समर्थन मूल्य पर धान और अन्य अनाज की खरीदी-कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर्स को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, धान मिलिंग के संबंध में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीदी में किसानों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। खरीदी पश्चात बिलिंग एवं भुगतान की कार्यवाही शीघ्र की जाये। जहां बाजरे के भुगतान की स्थिति संतोषप्रद नहीं है वे जिले तत्काल भुगतान की कार्यवाही करें। जिन जिलों में परिवहन की गति धीमी रही है अथवा स्वीकृतियों में विलंब हुआ है वे इस पर ध्यान दें। खरीदी केंद्रों पर छोटे एवं बदरंग दाने आने के कारण खरीदी को ना रोका जाए और किसानों की फसल खरीदी जाए। जिन खरीदी केंद्रों पर तुलाई के लिए पैसों की मांग की जा रही है अथवा तुलाई में गड़बड़ी की जा रही है वहां ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। कलेक्टर ऐसे उपाय करें जिससे तुलाई केंद्रों पर किसानों से तुलाई और लोडिंग का पैसा ना लिया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने धान खरीदी और ज्वार, बाजरे की स्थिति जिलों से जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसान मित्र सरकार है। उन्होंने धान, ज्वारे, बाजरा खरीदी में अच्छा कार्य करने वाले कुछ जिलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कलेक्टर्स मौसम को देखते हुए धान की सुरक्षा करें, अस्थायी केब का प्रबंध करें।

अनियमितताओं पर हुई कार्यवाही-कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि 08 जिलों में खाद्यान्न उपार्जन में अनियमितताएं होने पर प्रकरण दर्ज किया गया है। कुल 32 एफ.आई.आर. कर 55 संस्थाओं और व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई है। लगभग 05 हजार क्विंटल धान जप्त किया गया। प्रदेश में 32 वाहन भी जप्त किए गए हैं। रीवा में 16 वाहन जप्त किए गए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसके लिए रीवा कलेक्टर को बधाई दी। कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी गई कि प्रदेश में 03 जनवरी तक 25 लाख 39 हजार 613 मीट्रिक टन धान खरीदी हुई है। इसी तरह ज्वार और बाजरा भी करीब सवाल दो लाख मीट्रिक टन खरीदा जा चुका है। कुल 4.28 लाख किसानों से खरीदी हुई। इन्हें भुगतान का कार्य भी हो चुका है। कुल 87 प्रतिशत परिवहन हो गया है। प्रमुख सचिव खाद्य श्री फैज अहमद किदवई ने बताया कि भारत सरकार के अधिकारियों ने ग्वालियर, जबलपुर संभाग भ्रमण कर धान की गुणवत्ता भी देखी जो संतोषजनक है। ग्वालियर, चंबल संभाग को छोड़कर शेष संभागों में धान खरीदी 16 जनवरी तक चलेगी। प्रदेश में 1417 उपार्जन केन्द्रों के लिए 1747 गुणवत्ता सर्वेयर पंजीबद्ध हैं। ज्वार और बाजरा का उपार्जन कार्य पूरा हो गया है। उपार्जन कार्य में पाँच जिलों का प्रदर्शन श्रेष्ठ हैं जिनमें होशंगाबाद, नरसिंहपुर, पन्ना, बैतूल और रायसेन शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शेष जिलों को अपेक्षित प्रगति के प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने धान के भंडारण और बारदाना व्यवस्था की भी जानकारी ली।

जीएसटी ऑडिट 2018-19 की तिथि को दो माह बढ़ाया जाए एवं उस पर लगने वाली सभी पेनल्टी माफ की जाएँ तथा वर्ष 2019-20 के जीएसटी ऑडिट के लिए तिथि 31 मई,2021 की जाए : एमपीसीसीआई

केन्द्रीय वित्तमंत्री-माननीया श्रीमती निर्मला सीतारमण, केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री-माननीय श्री अनुराग ठाकुर, चेयरमैन-सीबीआईटीसी जीएसटी काउंसिल सचिवालय, सीईओ जीएसटी नेटवर्क सहित वित्तमंत्री, म. प्र. शासन को चेम्बर ने लिखा पत्र

ग्वालियर। वित्त वर्ष 2018-19 के लिए जीएसटी ऑडिट की तिथि सरकार ने दि. 31 दिसंबर,2020 नियत कर रखी थी और इसको सरकार द्वारा बढ़ाया नहीं गया है एवं वित्त वर्ष 2019-20 के लिए जीएसटी ऑडिट की तिथि सरकार ने 28 फरवरी,2021 नियत की है, लेकिन व्यापारियों ने इन तिथियों को बढ़ाने की मांग की है । इसी दिशा में एमपीसीसीआई द्वारा एक मांग पत्र केन्द्रीय वित्तमंत्री-माननीया श्रीमती निर्मला सीतारमण और जीएसटी काउंसिल को भेजा गया है । एमपीसीसीआई द्वारा प्रेषित किए गए पत्र में कोरोना से पैदा हुई मुश्किलों का हवाला देते हुए एवं वर्तमान व्यापार की परिस्थिति के आधार पर इन तिथियों को आगे बढ़ाने की मांग की गई है । एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराते हुए कहा है कि जब जीएसटीएन नेटवर्क में ही कई बार समस्या आ जाती हैं । वर्ष 2019-20 के जीएसटी ऑडिट के लिए विंडो 10 दिसम्बर को ही ओपन हो पाई है और इसका एक्सेल टूल 31 दिसम्बर को सरकार द्वारा जारी किया गया है, ऐसे में व्यापारी से यह उम्मीद करना कि वो 28 फरवरी तक जीएसटी ऑडिट फाइल कर दे यह असम्भव है । एमपीसीसीआई ने पहले ही यह मांग की थी कि जीएसटी ऑडिट वर्ष 2019-20 की तिथि कम से कम 31 मई की जाए । इस समय यह भी महत्वपूर्ण है कि इस समय व्यापारी अपने आयकर रिटर्न एवं टैक्स ऑडिट के काम में भी व्यस्त है । ऑडिट के केस में आयकर रिटर्न दाखिल करने की तिथि 15 फरवरी,2021 है। इस परिस्थिति में व्यापारी के लिए असम्भव है कि जीएसटी ऑडिट 2019-20 का 28 फरवरी,21 तक पूरा किया जा सके । पदाधिकारियों ने कहा है कि जीएसटी ऑडिट 2018-19 की तिथि जो कि 31 दिसम्बर,20 थी, इसे कम से कम एक से दो माह के लिए बढ़ा दी जाए एवं उस पर लगने वाली सभी पेनल्टी माफ की जाए । इसी तरह वर्ष 2019-20 के जीएसटी ऑडिट के लिए तिथि 31 मई,2021 की जानी चाहिए । एमपीसीसीआई द्वारा प्रेषित पत्रों में माँग की गई है कि कोरोना संकट से पैदा हुई स्थिति की वजह से चार्टर्ड अकाउंटेंट, आयकर सलाहकार अपना काम ठीक तरीके से नहीं कर पा रहे हैं । व्यापारी भी कोरोना जैसी महामारी के कारण बहुत परेशान है । कोरोना के कारण स्थिति बहुत भयावह है । इस कारण संसद तक का सत्र स्थगित किया जा चुका है और अभी तक वर्ष 2019-20 के एनुअल जीएसटी रिटर्न लगभग नगण्य दाखिल हुए होंगे । इसलिए डेडलाइन को आगे बढ़ाना बहुत आवश्यक है । चेम्बर का कहना है कि जब सरकार स्वयं ही प्रक्रिया में देरी कर रही है, फिर टैक्सपेयर्स से जल्दबाजी नहीं करवाना चाहिए । एमपीसीसीआई ने केन्द्रीय वित्तमंत्री-माननीया श्रीमती निर्मला सीतारमण एवं केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री-माननीय श्री अनुराग ठाकुर से जल्द से जल्द इस माँग पर निर्णय लेने का अनुरोध किया है ।

निरस्त पंजीयन वाले निर्माण श्रमिकों को दो स्तर पर अपील का मौका

ग्वालियर। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के सत्यापन के लिये चलाए जा रहे अभियान के दौरान जिन कर्मकारों के पंजीयन निरस्त हो गए हैं, उन्हें अब दो स्तर पर अपील का मौका मिलेगा। राज्य शासन के श्रम विभाग द्वारा इस आशय का आदेश जारी कर दिया गया है। शहरी क्षेत्र में नगर निगम आयुक्त द्वारा पारित निरस्ती आदेश के विरुद्ध प्रथम अपील कलेक्टर और द्वितीय अपील संभाग आयुक्त के यहाँ की जा सकेगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध प्रथम अपील अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और द्वितीय अपील कलेक्टर के यहाँ की जा सकती है। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र में जनपद पंचायत के सीईओ द्वारा जारी निरस्ती आदेश के विरुद्ध प्रथम अपील अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को और द्वितीय अपील कलेक्टर के यहाँ की जा सकेगी।

श्रम विभाग द्वारा आदेश जारी

मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत ऐसे निर्माण श्रमिक जिनका पंजीयन सत्यापन के दौरान अपर्याप्त कारणों से निरस्त कर दिया गया वे अपनी पात्रता के सभी साक्ष्यों सहित पदाभिहित अधिकारी के समक्ष अपना अपील आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। पदाभिहित अधिकारी आवेदन की जाँच कर अपने स्पष्ट अभिमत सहित प्रतिवेदन निराकरण के लिए अपीलीय प्राधिकारी को प्रेषित करेंगे। अपीलीय प्राधिकारी प्रतिवेदन के आधार पर और जरूरत होने पर अन्य जाँच कराने के बाद समुचित आदेश जारी करेंगे। अपीलीय प्राधिकारी द्वारा अपील के निराकरण के बाद पंजीयन के लिए अधिकृत अधिकारी द्वारा अपने श्रम सेवा पोर्टल लॉगिन पर उपलब्ध कराई गई यूटिलिटी में अपील के निराकरण से संबंधित जानकारी आदेश प्रति सहित अपलोड की जाएगी। अपीलार्थी के साक्ष्य सही पाए जाने पर उसका पुराना पंजीयन पुनर्जीवित हो जाएगा। मगर जिस अवधि में वह अपात्र रहा था उस अवधि में मंडल द्वारा संचालित किसी भी योजना के लिए पात्र नहीं होगा। ज्ञात हो वर्ष 2014 से ग्रामीण क्षेत्र में निर्माण श्रमिकों को पंजीयन के लिये जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और शहरी क्षेत्रों में नगर निगम आयुक्त/ मुख्य नगरपालिक अधिकारी को पंजीयन के लिये अधिकृत किया गया था। पंजीयन के लिए आवेदन पत्र की प्राप्ति पर संबंधित अधिकारी समुचित जाँच के बाद और आवेदन पत्र की वास्तविकता का समाधान होने के बाद पंजीयन स्वीकृत या अस्वीकृत करने की कार्यवाही करते हैं।

हितग्राहियों से 6 जनवरी को मुख्यमंत्री करेंगे सीधा संवाद

ग्वालियर। पीएम स्व-निधि योजना में प्रदेश के दो लाख से अधिक हितग्राहियों को ऋण वितरण होने पर लाभान्वितों से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 6 जनवरी को संवाद करेंगे। प्रदेश भर के हितग्राहियों से मुख्यमंत्री इंदौर में आयोजित मुख्य समारोह से अपरान्ह 3 बजे से 4 बजे तक चर्चा करेंगे। ग्वालियर नगर निगम द्वारा 6 जनवरी को बाल भवन में कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिसमें पीएम स्व-निधि योजना के तहत शहरी पथ विक्रेताओं की उपस्थिति में कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में मंत्रीगण, सांसद एवं विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जायेगा। बाल भवन ग्वालियर में कार्यक्रम दोपहर 2 बजे से आयोजित होगा। जिसमें कार्यक्रम के अतिथिगणों के उदबोधन के पश्चात हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जायेगा। इसके पश्चात दोपहर 3 बजे से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का हितग्राहियों से सीधा संवाद होगा। नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन ने बताया कि इस आयोजन में नगरीय निकायों के अधिकारी, शासकीय संगठनों के प्रतिनिधि, बैंकर्स एवं पथ विक्रेताओं को आमंत्रित किया जायेगा। कार्यक्रम में कोविड-19 के दृष्टिगत सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जायेगा।

शीतलहर से बचाव के लिए उपयोगी सलाह

ग्वालियर। वर्तमान में चल रही शीतलहर एवं गिरते हुए तापमान को ध्यान में रखकर आम जनों को उपयोगी सलाह दी गई है। शीतलहर के समय विभिन्न प्रकार की बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा ने आम जनों को सलाह दी है कि फ्लू, सर्दी, खांसी व जुकाम आदि के लक्षण दिखाई देने पर शीघ्र चिकित्सक को दिखाना चाहिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने सलाह दी है कि सर्दी के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचने के लिये पर्याप्त मात्रा में गर्म कपड़े पहनें। साथ ही दस्ताने, टोपी, मफलर एवं जूते भी पहनें। उन्होंने यह भी सलाह दी है कि शीतलहर के समय चुस्त कपड़े न पहनें। ऐसे कपड़े रक्त संचार को कम करते हैं। इसलिए सर्दी के मौसम में हल्के ढीले-ढाले व सूती कपडे बाहर की तरफ एवं ऊनी कपड़े अंदर की तरफ पहनें। पोषण तत्वों से युक्त भोजन लें। साथ ही शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत रखने के लिए विटामिन से भरपूर फल और सब्जियां खाएं। भोजन में नियमित रूप से गर्म तरल पदार्थ अवश्य शामिल करें।

बाल देख-रेख संस्थानों के 18 वर्ष के ऊपर के बच्चों कोआत्मनिर्भर बनाने लॉन्च पैड स्कीम शुरू

ग्वालियर। बाल देख-रेख संस्थाओं में रहकर 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विशेष नवाचार किया गया है। विभाग की समेकित बाल संरक्षण योजना के तहत इस नवाचार के रूप में लॉन्च पैड स्कीम शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना के माध्यम से बच्चों को एक ऐसा प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जायेगा, जिससे संस्थागत जीवन से बाहर आने के बाद उनका शिक्षण व प्रशिक्षण जारी रहे। साथ ही वे स्वरोजगार भी प्राप्त कर सकें। लॉन्च पैड स्कीम में प्रदेश के 52 जिलों को 5 क्लस्टर में बाँटा गया है। यह प्लेटफार्म ग्वालियर सहित संभागीय मुख्यालय इंदौर, सागर, जबलपुर तथा भोपाल में प्रारंभ किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश शासन के इस नवाचार को भारत सरकार की स्वीकृति प्राप्त हो गई है और इसका क्रियान्वयन चालू वित्तिय वर्ष में किया जायेगा। इस स्कीम के अंतर्गत बाल गृहों के 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 6 से 8 युवाओं के समूह को कॉफी शॉप, स्टेशनरी, फोटोकॉपी, कम्प्यूटर टाइपिंग, डी.टी.पी. कार्य, नोटरी आदि कार्य के लिए कलेक्टर कार्यालय परिसर अथवा अन्य सार्वजनिक स्थल पर खोलने के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्थान उपलब्ध कराया जायेगा। महिला-बाल विकास विभाग द्वारा प्रत्येक लॉन्च पैड की स्थापना के लिए 6 लाख रूपये की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। यह लॉन्च पैड अशासकीय संस्था के माध्यम से संचालित होंगे और संस्था द्वारा पैड संचालन का विस्तृत प्रशिक्षण भी प्रदान किया जायेगा।

जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की बैठक आज

ग्वालियर। जिला पंचायत की प्रशासकीय समिति की बैठक 05 जनवरी को बुलाई गई है। इस दिन यह बैठक दोपहर 2 बजे प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा भुजवल सिंह यादव की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभागार में होगी। बैठक में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बिजली, स्वास्थ्य, नाप-तौल व खनिज विभागों की समीक्षा होगी। साथ ही जिला पंचायत के बजट संबंधी विषय भी एजेण्डे में शामिल हैं।

पुष्पांजली टुडे समूह की ओर से जन्मदिन की
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
आशु बिपिन तोमर

GPS BASED VEHICLE TRACKING SYSTEM & MANAGEMENT FROM W2TRACK SOLUTIONS
Please call us for demo/order: +91 9827270016/7738373527/7738373526
जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग और वाहन प्रबंधन प्रणाली - अपने परिवहन प्रणाली को अधिक उत्पादक, सुरक्षित और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाएं।
W2TRACK
✓GPS based Track, Monitor & Analyze your vehicles in real-time
✓Digital records of all your fleet operations at Central place
✓Optimise your Routes, Scheduling and Dispatch
✓Improve Driver Behaviour, remotely immobilize vehicle etc.
✓Improve productivity, efficiency & safety
✓Manage fleet expenses & reduce operational cost (ROI)
✓Power Your Fleets with Latest AIS 140 GPS Devices
Website & Mobile based Application/Software
MAKE IN INDIA
₹2999
Basic GPS Based Fleet Monitoring System with Advanced Reporting
RTO ApprovedNTEGRATED AIS 140 GPS Device (ARAI/ICAT Approved)
PUBLIC TRANSPORT VEHICLES
-SCHOOL BUSES
-TAXI/CABS
-TRANSIT BUSES
-INTERCITY BUSES
COMMERCIAL VEHICLES
SABA TECHNOSOFT
Deliver The Best, Performance Assured
₹5999
GSTIN: 27ACUFS2949C1ZO www.w2track.com (Locations PAN India GPS Service)

प्रो.- विपिन सिंह तोमर
(संचालक सौम्या प्रापर्टी डीलर)
मो.-9301759475
9713253992
मेल- vipintomar172@gmail.com
सौम्या प्रोपर्टी डीलर
आवासीय भूमी (प्लॉट, फ्लैट, मकान, बंगला, खरीदने, बेचने व किराये) पर लेने देने के लिये सम्पर्क करें
ग्वालियर शहर में प्रोपर्टी खरीदने व बेंचने के लिये सम्पर्क करें
पता- दुकान न. 3/4 तोमर मार्केट, गायत्री मंदिर वाली गली, पिंटो पार्क, ग्वा.

अल्पविराम विषय पर राज्य आनंद संस्थान की पाँच दिवसीय कार्यशाला शुरू

ग्वालियर। राज्य आनंद संस्थान द्वारा अल्प विराम विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। जिसमें ग्वालियर के प्रतिभागी भी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यशाला के पहले दिन राज्य आनंद संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अखिलेश अर्गल ने कहा कि आर्थिक प्रगति खुशी होने का पैमाना नही हैं। व्यक्ति जिस भी परिस्थिति में है, उसी में आनंदित रह सकता है। ग्वालियर में सेल्फ अवेयरनेस सत्र का श्री ए के शर्मा ने संचालन किया। उन्होंने आत्म पोषण से संबंधित प्रश्न मसलन प्रकृति हमें क्या संदेश देती है, जो बुराई हम दूसरों में देखते हैं क्या उसका कुछ अंश हमारे भीतर भी है। आनंदित जीवन जीने से संबंधित इत्यादि बातें कार्यशाला में बताई गईं। आनंदम संस्थान से जुड़े श्री रमेश व्यास ने 5 दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा एवं अल्पविराम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। आरंभ में श्रीमती वर्णा द्वारा प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया गया। अंत में श्री जितेश ने समापन गीत का गायन किया।

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थिति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478